छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 162 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 25 जून 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

बाल संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाकर भागे 2 अपचारी बालक लौटे

तेज बारिश और बिजली गुल होने का फायदा उठाया, 9 की तलाश जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा संभाग मुख्यालय स्थित बाल संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर ध्वस्त हो गई। तेज बारिश और बिजली गुल होने का फायदा उठाकर चोरी, दुष्कर्म, हत्या जैसे संगीन मामलों में बंद 11 अपचारी बालक खिड़की तोड़कर और दीवार फांदकर फरार हो गए। घटना के बाद प्रबंधन और पुलिस महकमे में हड़कंप मचा है। समाचार लिखे जाने तक एक अपचारी बालक अपने घर सीतापुर से वापस लौटा वही दूसरा शहर में ही घूमते मिला, नौ फरार अपचारियों के तलाश में पुलिस जुटी है। घटना मंगलवार शाम करीब 7.30 से 8 बजे के बीच की है। बारिश और गरज-चमक के बीच बिजली गुल होते ही बालकों ने बैरक की पूरी खिड़की उखाड़कर बाहर निकाल दी। इसके बाद संप्रेक्षण गृह के पीछे की ऊंची दीवार फांदकर 11 बालक भाग गये। हैरानी की बात ये है कि घटना के वक्त मुख्य गेट पर दो सुरक्षाकर्मी तैनात थे, लेकिन उन्हें फरार होने की भनक तक नहीं लगी। सीसीटीवी और अलार्म सिस्टम के दावों की भी पोल खुल गई।

फरार बालक सरगुजा, सूरजपुर और कोरिया के

हाउस फादर मनीष कुशवाहा के अनुसार, शाम को लगभग 7.30 बजे सभी बच्चे भोजन करके अपने कक्ष में चले गए थे, कुछ टीवी देख रहे थे। इस बीच तेज बारिश हुई और लाइट चली गई। अंधेरे का फायदा उठाकर कुछ बालकों ने खिड़की उखाड़ दी और 11 बालक फरार हो गए। फरार बालक सरगुजा, सूरजपुर और कोरिया जिले के हैं। इनमें अंबिकापुर का एक आदतन बदमाश है, जिसके विरूद्ध कई थानों में केस दर्ज हैं। उक्त बालक पहले भी संप्रेक्षण गृह में रह चुका है। आशंका है कि उसी ने बाकी बच्चों को बहला-फुसलाकर साजिश रची।

सभी संभावित ठिकानों में चल रही तलाश

बता दें कि, बाल संप्रेक्षण गृह से पहले भी कई बार अपचारी बालक फरार हो चुके हैं, लेकिन व्यवस्था में सुधार नहीं हो पा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही गांधीनगर थाना पुलिस हरकत में आई, और शहर के चारों ओर नाकेबंदी करके रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और संभावित ठिकानों पर चेकिंग शुरू कर दी गई है। संप्रेक्षण गृह प्रबंधन और पुलिस की टीमें फरार बच्चों के स्वजनों से भी संपर्क करने में लगी हैं। जल्द ही सभी बालकों को पकड़ लेने का दावा किया जा रहा है।

इस पर भी ध्यान देने की है जरूरत

संप्रेक्षण गृह से बार-बार अपचारियों के भागने की घटना के बाद सवाल यह उठ रहा है कि, पहरेदार और ऊंची दीवार और सीसीटीव्ही के बाद भी बच्चे कैसे भागे, और प्रबंधन को इनके हरकतों की भनक भी नहीं लगी। वहीं आदतन बदमाश बच्चों के साथ गाहे-बगाहे किसी अपराध में फंसे बच्चों को साथ रखने से ऐसी स्थिति तो नहीं बनी, इस पर ध्यान देने की जरूरत है। बहरहाल फरार अपचारियों के गिरफ्तार होने के बाद ही इस बात का पता चल पायेगा कि, सुनियोजित तरीके से भागने की साजिश किसने रची और खिड़की में तोड़फोड़ जैसी घटना से सुरक्षा गार्ड, प्रबंधन अनभिज्ञ कैसे रहे।

कलेक्टर व एसएसपी पहुंचे शासकीय बाल संप्रेक्षण गृह

सुरक्षा में सेंध लगाकर फरार हुये अपचारी बालकों की घटना सामने आने के बाद कलेक्टर अजीत वसंत एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने बुधवार को शासकीय बाल संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संस्था की आधारभूत सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा बच्चों के रहन-सहन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण दौरान कलेक्टर ने संस्था भवन की सभी खिड़कियों, निकास मार्गों तथा सुरक्षा व्यवस्था का परीक्षण किया। उन्होंने भवन की आवश्यक मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिये। साथ ही किशोर न्याय बोर्ड के प्रवेश द्वार की सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने के लिए वहां कंटीले तार लगाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये।

बच्चों से सहज वातावरण में किया संवाद

कलेक्टर ने संस्था में निवासरत बच्चों से आत्मीय एवं सहज वातावरण में संवाद किया और उनके दैनिक जीवन से जुड़ी आवश्यकताओं की जानकारी ली। बच्चों से भोजन की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, अध्ययन व्यवस्था तथा उनकी नियमित दिनचर्या के संबंध में चर्चा की और उनकी समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि बाल संप्रेक्षण गृह में निवासरत प्रत्येक बच्चे की सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं समग्र विकास सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। बच्चों को सुरक्षित, सकारात्मक एवं प्रेरणादायी वातावरण उपलब्ध कराना सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

सुरक्षा मानकों का कड़ाई से करें पालन

कलेक्टर ने संस्था के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने और बच्चों के देखरेख में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिये। उन्होंने बच्चों की गतिविधियों की नियमित निगरानी करने, उनकी आवश्यकताओं का समय पर निराकरण करने कहा ताकि उन्हें सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध हो सके। कलेक्टर ने कहा कि बाल संरक्षण से जुड़े संस्थानों में नियमित निरीक्षण एवं सतत निगरानी के माध्यम से बच्चों के अधिकारों की रक्षा, उनकी सुरक्षा तथा समुचित विकास सुनिश्चित किये जाये। इस दौरान एसडीएम बनसिंह नेताम सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

फर्नीचर घोटाले की जांच 14 साल बाद शुरू, एसीबी ने दस्तावेज जब्त किये

मामला राजीव गांधी शिक्षा मिशन में बड़े पैमाने पर करोड़ों की खरीदी से जुड़ा बताया जा रहा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले में वर्ष 2011-12 में हुए करोड़ों रुपये के फर्नीचर घोटाले की फाइल 14 वर्ष बाद खुल गई है। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने मंगलवार को राजीव गांधी शिक्षा मिशन कार्यालय में दबिश देकर दस्तावेजों को खंगाला। बताया जा रहा है कि, दबिश के दौरान कार्यालय का एक जिम्मेदार गायब हो गया, जिसके तलाश में टीम रवाना हुई थी। शिक्षा मिशन में फर्नीचर, किताब और मध्यान्ह भोजन में घोटाले के आरोप पहले भी लगते रहे हैं। एसीबी की औचक दबिश से विभाग में हड़कंप मच गया है।

बता दें कि, वर्ष 2011-12 में राजीव गांधी शिक्षा मिशन के तहत स्कूलों के लिए फर्नीचर खरीदी में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का आरोप लगा था। शिकायत थी कि बाजार दर से कई गुना अधिक कीमत पर घटिया क्वालिटी का फर्नीचर खरीदा गया और भुगतान कर दिया गया। मामले में करोड़ों के भ्रष्टाचार की आशंका जताई गई थी। विभाग से बार-बार दस्तावेज मांगे जा रहे थे, लेकिन तत्कालीन जिम्मेदार टाल-मटोल करने में लगे थे। दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने पर एसीबी की टीम मंगलवार की दोपहर राजीव गांधी शिक्षा मिशन कार्यालय के रिकॉर्ड पहुंची। टीम फर्नीचर खरीदी से जुड़ी निविदा, भुगतान, स्टॉक रजिस्टर और डिजिटल फाइलों की तहकीकात कर रही है।

2011-12 में हुए इस घोटाले में विभाग के कई तत्कालीन अधिकारियों और दर्जन भर फर्मों के नाम सामने आये थे। जांच में कुछ जिम्मेदारों की भूमिका संदिग्ध थी। मामले में आईपीसी की धारा 420, आपराधिक षड्यंत्र की धारा 120(बी) और पीसी एक्ट की धारा 13(1), 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया है। राजीव गांधी शिक्षा मिशन के मौजूदा अधिकारियों ने फिलहाल इस पर कुछ भी कहने से बचते रहे। इसके पीछे कारण वर्षों पुराने मामले का होना भी है। इनका कहना है कि एसीबी अपने स्तर पर पुरानी फाइलों को खंगाल रही है।

घंटों खंगालते रहे दस्तावेज

दोपहर करीब 11.30 बजे पहुंची एसीबी की टीम टेंडर फाइल, वर्क ऑर्डर, बिल वाउचर, भुगतान पत्रक के साथ ही डिजिटल दस्तावेज के जांच में घंटों लगी रही। कंप्यूटर हार्ड डिस्क, ई-फाइल, भुगतान का डिजिटल रिकॉर्ड, स्कूलों में सप्लाई हुए फर्नीचर के भौतिक सत्यापन जैसी प्रक्रिया इनके द्वारा पूरी की जा सकती है। जब्त दस्तावेजों की फोरेंसिक जांच के साथ भुगतान और सप्लाई में अंतर मिलने पर आरोपी अधिकारियों और फर्म संचालकों से पूछताछ शुरू की जा सकती है। ऐसे में 14 साल से ठंडे बस्ते में पड़ी फाइल पर अब कार्रवाई की उम्मीद जगी है।

रकम कटौती के बाद नहीं आया मैसज, कथित कस्टमर केयर नंबर पर संपर्क करना पड़ा महंगा

एसईसीएल के अधिकारी का मोबाइल, खाता होल्ड करके दो लाख से अधिक का ट्रांजेक्शन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। फेसबुक देखते समय शेयर मार्केट से सबंधित एक ऐप खोलने के बाद एसईसीएल भटगांव एरिया जगरनाथपुर में ओसीटी प्रबंधक के पदस्थ उमेश कुमार सिंह के मोबाइल फोन में के नम्बर पर एक कॉल आया, जिसने अपना रिजर्व बैक ऑफ इंडिया के अधिकारी के रूप में देकर झांसे में लिया। विश्वास में आकर उन्होंने ऐप को पुन: खोला और उनके बैंक खाते से 21 हजार 447 रुपये कट गये, जिसका संदेश उन्हें मोबाइल पर प्राप्त नहीं हुआ। संदेह होने पर उन्होंने गुगल से यूपीआई फोन पे का कस्टमर केयर नम्बर प्राप्त किया और पूरी बात बताई, तो सामने वाले ने उनके खाते से संबंधित कई प्रकार की जानकारी हासिल करने के बाद खाते में जमा रकम सहित अन्य बातों को साझा करके सुरक्षा की दृष्टि से आगामी तीन दिनों तक के लिये मोबाइल और खाते को होल्ड करने के झांसे में लेकर इस बीच दो लाख रुपये से अधिक की चपत लगा दी। रिपोर्ट पर गांधीनगर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, डेयरी फार्म रोड गांधीनगर निवासी उमेश कुमार सिंह बीते 12 जून को दोपहर करीब 12-00 बजे अपने घर में थे और फेसबुक देख रहे थे। इसी दौरान एक शेयर बाजार से संबंधित ऐप को उन्होंने खोला और प्लस 44 कोड उल्लेखित नम्बर से अनजान कॉल उनके मोबाइल फोन में आया। कॉल करने वाले ने स्वयं को रिजर्व बैक ऑफ इंडिया में पदस्थ होना बताया, और कहा कि वे जिस ऐप को खोल रहे हैं, वह काफी सुरक्षित है। इसको ओपन करके शेयर मार्केट में अधिकतम कमाई कर सकते हैं। इनकी बातों को सुनने के बाद वे पुन: फेसबुक में उक्त एप को ओपन करने का प्रयास किये, जिसमें निवेश राशि न्यूनतम 22 हजार, 50 हजार का ऑप्शन आ रहा था। कॉल करने वाले व्यक्ति के बहकावे में आकर उन्होंने न्यूनतम राशि 22 हजार रुपये निवेश के ऑप्शन को क्लिक किया, इसके बाद उनके खाता से 21 हजार 477 रुपये कट गया। बैंक खाता मोबाइल नम्बर से लिंक होने और फोन पे यूपीआई संचालित होने के बाद भी खाते से रकम कटौती का उन्हें कोई संदेश प्राप्त नहीं हुआ। ऐसे में फ्रॉड की संभावना पर उन्होंने उस ऐप को बंद कर दिया, और दो दिन तक पैसा वापस खाते में आने की उम्मीद पर रूके थे।

इसके बाद उन्होंने गुगल से यूपीआई फोन पे का कस्टमर केयर नम्बर प्राप्त किया, तो एक मोबाइल नम्बर मिला। इसमें फोन करने पर कॉल रिसिव करने वाले व्यक्ति ने अपना परिचय फोन पे के कस्टमर केयर अधिकारी के रूप में दिया और बैंक खाते से कटे रकम को वापस करने में सहायता देने के लिये आश्वस्त करते हुये खाता से संबंधित संपूर्ण जानकारी ले ली, और दो दिन में पैसा वापस मिलने का वादा किया। कथित अधिकारी ने इनके बैंक खाता से रकम कटकर कहां ट्रांसफर किया गया है, इस सबंध में भी पूरी जानकारी दी। कथित अधिकारी ने मोबाइल क्रोम बनाकर बैंक खाता से सबंधित सभी जानकारी हैक करके बताया कि उनके खाता में 9 लाख 66 हजार रुपये है, खाते से रकम ऑटो डिवेड ट्रांजेक्शन न हो सके, इसके लिये उसने मोबाइल और खाता को 24 जून तक के लिये होल्ड में लगाने की बात कही। इसके बाद उनका पूरा मोबाइल फोन हैक करके उक्त व्यक्ति ने 21 जून को एक रुपये से ट्रांजेक्शन की शुरूआत की और 22 जून के बीच यूपीआई के माध्यम से 2 लाख 11 हजार 447 रुपये अन्य खाते में ट्रांसफर कर लिया। बैंक जाने पर पता चला कि वे ठगी का शिकार हो गये हैं। पुलिस मामले में अग्रिम पड़ताल कर रही है।

होमगार्ड से मारपीट करने वाला रेत तस्कर लड्डन खान व दो अपचारी बालक पकड़ में आये

- **रायपुर से आये केंद्रीय उड़नदस्ता टीम के साथ आया था नगर सैनिक, अब तक 5 गिरफ्तार**

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगर सैनिक से मारपीट करके रेत तस्करी में प्रयुक्त वाहन छुड़ाने के मामले में 02 विधि से संघर्षरत बालक एवं मुख्य आरोपी लड्डन खान को साइबर सेल एवं थाना गांधीनगर पुलिस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुये गिरफ्तार किया है। इसके पहले दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार करके पुलिस ने न्यायिक अभिरक्षा में भेजा था। आरोपी लड्डन के कब्जे से घटना के समय प्रयुक्त मोटरसायकल को पुलिस ने जप्त किया है।

बता दें कि, नगर सैनिक के पद पर खनिज शाखा रायपुर में कार्यरत तारकेश्वर वर्मा निवासी ग्राम महोदी तिल्दा खरोरा, रायपुर ग्रामीण ने 23 जून को थाना गांधीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि, 22 जून को वह केंद्रीय उड़नदस्ता की टीम के साथ जांच हेतु सरगुजा संभाग आया था। इस दौरान उच्च अधिकारियों के निर्देश पर रेत से भरे वाहन को अभिरक्षार्थ कलेक्ट्रेट परिसर अंबिकापुर लेकर जा रहा था। वाहन को ले जाते समय चालक सोनू टोप्पो ने वाहन मालिक का नाम लड्डन खान बताते हुये नगर सैनिक को धमकाया था। रेत से भरे वाहन के साथ गांधी चौक सिग्नल में पहुंचने पर वाहन मालिक लड्डन खान भी मौके पर आ गया और गाड़ी को रुकवाया और सभी नगर सैनिक से गाली-गलौज और मारपीट करने लगे। इनके द्वारा नगर सैनिक की वर्दी फाड़ने की कोशिश की गई, और गाड़ी से उतार कर पीछे से पकड़ लिये। इसके बाद वाहन चालक रेत लोड वाहन लेकर फरार हो गया था। मामले में थाना गांधीनगर में धारा 191(2), 221, 121(1),132, 296, 351(3) बी.एन.एस. का अपराध दर्ज करके विवेचना में लिया गया। डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल ने थाना गांधीनगर एवं साइबर सेल पुलिस टीम को मामले में त्वरित कार्रवाई करके रेत तस्करों को शीघ्र गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे, इसी क्रम में पुलिस टीम ने 23 जून को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद प्रकरण के फरार आरोपियों के तलाश में लगी पुलिस ने घेराबंदी करके मुख्य आरोपी लड्डन खान पिता खलील खान 43 वर्ष निवासी साईं मंदिर रोड वार्ड क्रमांक 01 भगवानपुर, थाना गांधीनगर एवं 02 विधि से संघर्षरत बालकों को कब्जे में लिया। पूछताछ में मुख्य आरोपी सहित विधि से संघर्षरत बालकों ने आरोप की स्वीकारोक्ति की है। पुलिस ने मुख्य आरोपी लड्डन खान को न्यायालय के समक्ष और विधि से संघर्षरत बालकों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, उप निरीक्षक दिलीप दुबे, साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक विकास सिन्हा, आरक्षक रमन मण्डल, राहुल सिंह, अमन पुरी, मनीष सिंह, सैनिक अनिल साहू सक्रिय रहे।

ड्रंक एंड ड्राइव के दो मामले में वाहन चालकों को 20 हजार रुपये अर्थदण्ड

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। यातायात शाखा एवं थाना बतौली पुलिस टीम द्वारा शराब के नशे में मोटरसायकल चलाने के मामले में दो चालकों के विरूद्ध कार्रवाई करते हुये मामला न्यायालय के सुपुर्द किया। न्यायालय ने इन्हें 20 हजार रुपये अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के दिशा निर्देशन में पुलिस टीम द्वारा यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में यातायात शाखा पुलिस टीम ने दौरान चेकिंग मोटरसायकल क्रमांक सीजी 16 सीक्यू 8675 के चालक जीवन पिता दुहन 20 वर्ष, निवासी खालपारा थाना दरिमा और मोटरसायकल क्रमांक सीजी 16/सीयू 0169 के चालक प्रताप सिंह पिता समेलाल 22 वर्ष निवासी बरगीडीह थाना लुंड्रा को शराब के नशे मे धुत्त होकर वाहन चलाते पाया। दोनों के विरुद्ध धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर मामला न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय द्वारा इन्हें अलग-अलग 10-10 हजार रुपये के अर्थदंड से दण्डित किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी बतौली निरीक्षक विवेक सेंगर, यातायात शाखा प्रभारी उप निरीक्षक विजय कैवर्त सहित अन्य सक्रिय रहे।

अंबिकापुर-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस को सप्ताह में दो दिन चलाने का निर्णय जनहितैषी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारतीय रेलवे मंत्रालय के द्वारा ट्रेन संख्या 22407/22408 अंबिकापुर-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस के संचालन को साप्ताहिक से बढ़ाकर सप्ताह में दो दिन करने के निर्णय का पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने स्वागत किया है और इसे क्षेत्र के लाखों यात्रियों के लिए जनहितैषी कदम बताया है। उन्होंने कहा है कि अंबिकापुर-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस उत्तर छत्तीसगढ़ की जीवनरेखा है। दिल्ली सहित

देश के विभिन्न हिस्सों में शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय, चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए यात्रा करने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में ट्रेन की आवृत्ति बढ़ाने की मांग लंबे समय से की जा रही थी, जिसे केंद्र सरकार और रेलवे मंत्रालय ने गंभीरता से लेते हुए पूरा किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश के दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों को बेहतर परिवहन सुविधाओं से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। रेलवे के आधुनिकीकरण, नई रेल सेवाओं के विस्तार और यात्री सुविधाओं में लगातार वृद्धि का लाभ अब सरगुजा जैसे अंचलों तक भी पहुंच रहा है। इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का उन्होंने विशेष आभार व्यक्त किया।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

एनएच 43 पर दिनदहाड़े शिक्षिका का पर्स लेकर फरार बाइक सवार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जिले में सड़क पर चल रहे लोगों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। अम्बिकापुर-बिश्रामपुर मार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत पार्वतीपुर के पास एक महिला शिक्षिका झपटमारी का शिकार हो गईं। ड्यूटी पर जा रही शिक्षिका के हाथ से अज्ञात बाइक सवार ने पलक झपकते ही पर्स छीनकर तेज रफ्तार से फरार हो गया। पर्स में तीन मोबाइल फोन, सोने के आभूषण, नकदी सहित करीब एक लाख रुपए से अधिक का सामान रखा हुआ था। दर असल प्रार्थिया श्रीमती जिरीहिरी तिग्गा 50 वर्ष जो माध्यमिक शाला गिरजापुर में प्रधान पाठक के पद पर पदस्थ हैं, अपने पति रामचन्द्र लकड़ा, जो प्राथमिक शाला रामपुर में प्रधान पाठक हैं, के साथ गत दिनों ड्यूटी के लिए निकली थीं। दोनों शासकीय आवास हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी कालामांजन, ओड़गी में निवास करते हैं। बताया जा रहा है कि 22 जून की सुबह लगभग 6

बजे दोनों अम्बिकापुर से स्कूल ड्यूटी के लिए एक्टिवा स्कूटी से रवाना हुए थे। रामचन्द्र लकड़ा स्कूटी चला रहे थे जबकि उनकी पत्नी पीछे बैठी थीं और गोद में ब्राउन रंग का पर्स रखा हुआ था। जैसे ही वे ग्राम पंचायत पार्वतीपुर स्थित होटल के सामने एनएच 43 पर पहुंचे, तभी पीछे से तेज गति से आ रहे एक अज्ञात मोटरसाइकिल सवार ने अचानक झपट्टा मारकर शिक्षिका के हाथ से पर्स छीन लिया। घटना इतनी तेजी से हुई कि दंपती कुछ समझ पाते, उससे पहले ही आरोपी बाइक मोड़कर पार्वतीपुर बस्ती की ओर भाग निकला। पीड़ित दंपती ने शोर मचाकर लोगों से मदद की गुहार लगाई, लेकिन तब तक आरोपी आंखों से ओझल हो चुका था।पीड़िता के अनुसार पर्स में उनके और उनके पति के उपयोग के तीन मोबाइल फोन रखे हुए थे। इसके अलावा पर्स में घर और स्कूल की चाभी, करीब डेढ़ तोला वजन का सोने का हार और सोने की चेन, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 90 हजार रुपए बताई गई है, तथा 1500 रुपए नकद भी रखे हुए थे।घटना के बाद शिक्षिका ने थाना जयनगर पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई है। रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 304 (2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

सीसीटीवी और मुखबिर तंत्र के सहारे तलाश

पुलिस अब घटना स्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। साथ ही मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रारंभिक जांच में यह आशंका भी जताई जा रही है कि आरोपी पहले से राहगीरों की गतिविधियों पर नजर रखे हुए था और सुनसान स्थान देखकर वारदात को अंजाम दिया।

बढ़ती झपटमारी की घटनाओं से लोगों में चिंता

एनएच 43 और आसपास के क्षेत्रों में इस तरह की झपटमारी की घटनाएं लगातार सामने आने से लोगों में भय का माहौल है। खासकर सुबह-शाम ड्यूटी पर आने-जाने वाले कर्मचारी और शिक्षक स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस गश्त बढ़ाने तथा संवेदनशील स्थानों पर निगरानी मजबूत करने की मांग की है।

रेलवे मजदूर कांग्रेस की पीएनएम बैठक में कर्मचारियों की वेतन संबंधी चर्चा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस की वर्ष 2026 की द्वितीय नॉन पेमेंट पीएनएम बैठक गत दिनों संपन्न हुई। बैठक वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ. अंशुमन मिश्रा के निर्देश पर मंडल कार्मिक अधिकारी यूएस राव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सहायक कार्मिक अधिकारी भास्कर गुहा, सहायक मंडल वित्त प्रबंधक सुमित्रा पाल, कार्मिक विभाग से संबंधित बिल क्लर्क सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक की व्यवस्था पीएनएम सेल के कार्यालय अधीक्षक रमना मूर्ति द्वारा की गई। रेलवे मजदूर कांग्रेस की ओर से मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री के नेतृत्व में जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव, अतिरिक्त संयुक्त महामंत्री शुभम उपाध्याय, डीओबी शाखा सचिव राना नंदी तथा सहायक सचिव रनिंग इरफान खान ने भाग लिया। संगठन के पदाधिकारियों ने पूर्व निर्धारित एजेंडे के अनुसार बिलासपुर मंडल के रेल कर्मचारियों की

वेतन एवं भत्तों से संबंधित विभिन्न समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष उठाया। बैठक में ब्रजराजनगर के जितेंद्र कुमार एवं बैकुंठपुर के अरविंद कुमार के गेट अलाउंस जारी करने का आदेश दिया गया। बिश्रामपुर के हियाहरन सिंह के ओवर पेमेंट मामले पर चर्चा हुई, जबकि रायगढ़ के जुगताराम यादव को रिस्क अलाउंस प्रदान किए जाने पर सहमति बनी। इसके अलावा अनूपपुर के आयुष, रविकांत राय, रंजीत कुमार, अमित कुमार और राजेंद्र राठौर की समस्याओं पर भी विचार विमर्श किया गया।अकलतरा के ट्रैक मेंटेनरों को ओवरटाइम भुगतान तथा उमरिया के अतुल कुमार गुप्ता के अवकाश नगदीकरण प्रकरण पर भी विस्तार से चर्चा की गई। रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा करंजी के सचिव पप्पू सिंह ने बताया कि बैठक में कर्मचारियों की विभिन्न मांगों पर भी महत्वपूर्ण चर्चा हुई।

मोहर्रम को लेकर जयनगर में शांति समिति की बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं आपसी भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को जयनगर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत सिंह ठाकुर के निर्देशन में संपन्न हुई, जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न समुदायों के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता नवपदस्थ थाना प्रभारी टीआई नरेंद्र मिश्रा ने की। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से परिचय प्राप्त करते हुए कहा कि मोहर्रम केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव और एकता का प्रतीक भी है। उन्होंने सभी से पर्व को आपसी प्रेम, भाईचारे और शांति के साथ मनाने का आह्वान किया। टीआई नरेंद्र मिश्रा ने कहा कि त्योहारों के दौरान सामाजिक समरसता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए किसी भी प्रकार की अफवाहों से दूर रहने तथा कानून-व्यवस्था बनाए

रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। बैठक के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों और समाज के वरिष्ठ नागरिकों से सुझाव भी लिए गए। लोगों ने जुलूस मार्ग, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव रखे, जिन पर पुलिस प्रशासन ने सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उपनिरीक्षक सोहन सिंह, सहायक उपनिरीक्षक शशि तिवारी, जयनगर सरपंच पति राजेंद्र गवटिया, रूपनारायण राजवाड़े, बुलचु राजवाड़े, भारत राजवाड़े, शमीम पलिहा, कलाम, जावेद, शाहरुख, अंजर सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

लुत्ती जलाशय के जीर्णोद्धार हेतु प्रस्ताव शासन को प्रेषित

स्वीकृति उपरांत जलाशय को मिलेगा नया स्वरूप

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। विभिन्न माध्यमों से प्राप्त सूचना अनुसार विकासखण्ड बलरामपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत विश्रामनगर के धनेशपुर में स्थित लुत्ती जलाशय विगत वर्ष टुटने से क्षेत्र में सिंचाई एवं मवेशियों को पानी पीने की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जिस पर जल संसाधन विभाग मुख्य अभियंता ने जानकारी दी है कि लुत्ती जलाशय योजना 2026-27 के बजट में शामिल किया गया है। और पूर्व मे ही क्षतिग्रस्त जलाशय के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य के लिए प्राक्कलन तैयार कर प्रशासकीय स्वीकृति हेतु राज्य शासन को प्रेषित किया गया है। उन्होंने बताया कि स्वीकृति प्राप्त होने के उपरांत जलाशय के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार का कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

हैंडपंप सुधार कर सुचारू की गई पेयजल व्यवस्था

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। विकासखंड वाड्रफनगर के ग्राम गुरमुटी के आश्रित ग्राम धौरपुर एवं संघरा में पेयजल समस्या संबंधी शिकायत विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने पर कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर के निर्देश पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की टीम द्वारा स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान

धौरपुर एवं प्राथमिक शाला संघरा के पास स्थापित हैंडपंप में तकनीकी समस्या पाई गई। जिस पर विभाग द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए हैंडपंप तकनीशियन के माध्यम से आवश्यक मरम्मत कार्य कराया गया।सुधार कार्य पूर्ण होने के बाद हैंडपंप को पुनः चालू कर पेयजल आपूर्ति सुचारू कर दी गई।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के द्वारा स्वयं आमजनों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए सतत निगरानी की जा रही है जिससे लोगों को समय पर राहत मिल सके साथ ही किसी भी प्रकार की समस्या की सूचना प्राप्त होने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

जेबीसीसीआई 12 गठन में देरी से भड़का कोयला श्रमिकों का आक्रोश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोयला उद्योग में वेतन समझौते की दिशा तय करने वाली महत्वपूर्ण समिति जॉइंट बाइपार्टाइट कमेटी फॉर कोल इंडस्ट्री जेबीसीसीआई 12 के गठन में हो रही देरी अब देशभर के कोयला श्रमिकों के बीच बड़े असंतोष का कारण बनती जा रही है। कोयला क्षेत्रों में मजदूर संगठनों ने इसे श्रमिक हितों की अनदेखी बताते हुए केंद्र सरकार, कोल इंडिया प्रबंधन और संबंधित मंत्रालयों के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी शुरू कर दी है। संयुक्त कोयला मजदूर संघ एटक के महासचिव अजय विश्वकर्मा ने जेबीसीसीआई 12 के गठन में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यह लाखों कोयला श्रमिकों और उनके परिवारों के साथ अन्याय है। उन्होंने आरोप लगाया कि जेबीसीसीआई-11 की अवधि समाप्त हुए काफी समय गुजर चुका है, लेकिन नई वेतन वार्ता समिति का गठन नहीं किया गया है, जिससे श्रमिकों की वेतन पुनरीक्षण प्रक्रिया अधर में लटक गई है। अजय विश्वकर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में महंगाई लगातार बढ़ रही है।

खाद्य सामग्री, शिक्षा, स्वास्थ्य और दैनिक जरूरतों की वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं। ऐसे में कोयला मजदूरों को समय पर वेतन समझौते का लाभ नहीं मिलना उनके आर्थिक जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। उन्होंने कहा कि कोयला उद्योग देश की ऊर्जा व्यवस्था की रीढ़ है और खदानों में प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच कार्य करने वाले श्रमिक राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसके बावजूद यदि उनके अधिकारों और आर्थिक हितों को नजरअंदाज किया जाता है तो यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। कोयला श्रमिकों के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही जेबीसीसीआई 12 का गठन कर वेतन समझौते की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई तो देशभर के मजदूर संगठन चरणबद्ध एवं व्यापक आंदोलन चलाने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने कहा कि श्रमिक लंबे समय से वेतन पुनरीक्षण की प्रतीक्षा कर रहे हैं और अब उनका धैर्य जवाब देने लगा है। ऐसे में यदि प्रबंधन और सरकार ने समय रहते सकारात्मक पहल नहीं की तो आंदोलन और अधिक व्यापक रूप ले सकता है।कोयला श्रमिकों की मांगों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने के लिए 1 जुलाई को देश के सभी कोयला क्षेत्रों में मांग दिवस सह आंदोलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान विभिन्न कोलफील्ड क्षेत्रों में प्रदर्शन, सभाएं और ज्ञापन सौंपकर केंद्र सरकार, कोल इंडिया प्रबंधन एवं संबंधित मंत्रालयों का ध्यान मजदूरों की समस्याओं की ओर आकर्षित किया जाएगा। अजय विश्वकर्मा ने सभी कोयला कर्मचारियों, यूनियन पदाधिकारियों एवं श्रमिक हितैषियों से आंदोलन में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि यह केवल वेतन वृद्धि की लड़ाई नहीं है, बल्कि मजदूरों के सम्मान, सामाजिक न्याय, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा का संघर्ष है। उन्होंने कहा कि जब तक जेबीसीसीआई 12 का गठन कर वेतन समझौते की प्रक्रिया शुरू नहीं की जाती, तब तक श्रमिकों की आवाज बुलंद होती रहेगी। कोयला मजदूरों के हक और सम्मान के लिए संघर्ष जारी रहेगा।विभिन्न कोयला क्षेत्रों में श्रमिक संगठनों की गतिविधियां तेज हो गई हैं और आगामी आंदोलन को लेकर तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। कोयला उद्योग से जुड़े लाखों श्रमिकों की नजर अब सरकार और कोल इंडिया प्रबंधन के अगले कदम पर टिकी हुई है।

बतरा डेम में डूबे तीसरे मछुआरे की 44 घंटे बाद मिली लाश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। करंजी चौकी अंतर्गत ग्राम बतरा स्थित डेम में मछली मारने के दौरान सोमवार की रात 2 नाव में सवार होकर 9 मछुआरे मछली मारने गए थे। इस दौरान एक नाव पलटने से उसमें सवार 4 मछुआरों में से 3 की डूबकर मौत हो गई थी। जबकि दूसरे नाव में सवार 5 समेत 6 लोग सुरक्षित बाहर निकल गए थे। डेम में डूबे मछुआरों का शव निकालने डीडीआरएफ की टीम ने मंगलवार की सुबह से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया था। दोपहर करीब 3 बजे काफी मशक्कत के बाद 2 मछुआरों का शव बरामद कर लिया गया था, लेकिन एक का पता नहीं चल सका था। बुधवार की सुबह फिर रेस्क्यू शुरू किया गया। इसी बीच सुबह करीब 10 बजे तीसरे मछुआरे का भी शव बरामद कर लिया गया। तीसरे मछुआरे का शव घटना के करीब 44 घंटे बाद मिला। करंजी चौकी अंतर्गत ग्राम बतरा डेम में सोमवार की रात करीब 12 बजे ग्राम राईं निवासी 9 मछुआरे 2 नाव में सवार होकर मछली मार रहे थे। एक नाव में 5 जबकि दूसरी नाव में 4 लोग सवार थे। जिस नाव में 4 लोग सवार थे, वह जर्जर हालत में थी। उसमें जगह-जगह छेद थे। बीच डेम में अचानक छेद से उक्त नाव में पानी भरने लगा। यह देख उसमें सवार मछुआरे दूसरे नाव में कूदने लगे। इसी बीच एक तरफ वजन बढ़ जाने से नाव

पलट गई। इससे नाव में सवार समयलाल कंवर उर्फ पांणे 47 वर्ष, जगपाल पिता सुखन 45 वर्ष व कंवलसाय राजवाड़े 50 वर्ष डूब गए थे, जबकि एक बच निकला। डेम में 3 मछुआरों के डूबने के बाद बाकी सभी हड़बड़ाहट में बाहर निकल आए और गांव में जाकर सूचना दी। वहीं सूचना पर मंगलवार की सुबह करंजी चौकी पुलिस व डीडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद शवों को ढूंढने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरु किया गया।

2 ग्रामीणों का मिला शव

पुलिस व नगर सेना के अधिकारियों की मौजूदगी में डीडीआरएफ की टीम द्वारा डूबे तीनों मछुआरों का शव बरामद करने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। इसी बीच दोपहर करीब 3 बजे 2 मछुआरों समयलाल और जगपाल का शव निकाल लिया गया। जबकि तीसरे की तलाश जारी रही। शाम 6 बजे तक चले तलाशी अभियान के बाद भी उसका शव बरामद नहीं किया जा सका था। शाम हो जाने की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन बंद कर दिया गया था।

सुबह मिला तीसरे मछुआरे का शव

बुधवार की सुबह फिर डीडीआरएफ की टीम बतरा डेम में तीसरे मछुआरे सूरजपुर के ग्राम ऊचडीह जगरनाथपारा निवासी कंवलसाय राजवाड़े पिता शिव प्रसाद 50 वर्ष का शव बरामद करने पहुंची। इसी बीच सुबह करीब 10 बजे उसका शव भी डेम से बरामद कर लिया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन खत्म कर टीम लौट गई। इधर पुलिस ने शव को पीएम पश्चात परिजन को सौंप दिया है। मृतकों के परिजन ने शासन ने मुआवजे की मांग की है।

खदान में मिले शव की हुई शिनाख्त, पचीरा निवासी युवक के रूप में पहचान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की बंद पड़ी ओसीएम खदान की पोखरी में गत 19 जून को सड़ी-गली अवस्था में मिले अज्ञात शव की पहचान पुलिस ने कर ली है। मृतक की शिनाख्त अतीश लाल एक्का (25 वर्ष), पिता रूपसाय एक्का, निवासी ग्राम पचीरा, जिला सूरजपुर के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार शव मिलने के बाद मृतक के कपड़ों की तस्वीरें समाचार पत्रों और सोशल मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक की गई थीं। इन्हीं तस्वीरों को देखकर मृतक के परिजनों ने बिश्रामपुर थाना पहुंचकर युवक की पहचान किए जाने की जानकारी पुलिस को दी।

परिजनों ने बताया कि अतीश लाल एक्का करीब एक माह पहले किसी बात से नाराज होकर घर से निकल गया था और उसके बाद वापस नहीं लौटा। परिवार के लोग लगातार उसकी तलाश कर रहे थे। इसी दौरान अखबारों और सोशल मीडिया में पोखरी खदान में मिले शव तथा उसके कपड़ों की तस्वीरें देखने पर उन्हें संदेह हुआ कि शव अतीश का हो सकता है। मृतक के भाई सोनेलाल एक्का, अन्य परिजनों तथा गांव के सरपंच ने थाना पहुंचकर पुलिस को अतीश की गुमशुदगी की जानकारी दी। पुलिस द्वारा जब मृतक की शर्ट, लोअर और कमर में बंधा भगवा गमछा दिखाया गया, तब परिजनों ने उसे अतीश के कपड़े के रूप में पहचान लिया।

इसके बाद पुलिस ने पहचान संबंधी पंचनामा कार्रवाई शुरू कर दी है। चूंकि शव का अंतिम संस्कार अज्ञात शव के रूप में किया जा चुका था, इसलिए अब शव को कब्र से बाहर निकालने के लिए एसडीएम से अनुमति प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

पुलिस का कहना है कि मृतक की पहचान की पुष्टि के लिए डीएनए परीक्षण सहित अन्य आवश्यक कानूनी और वैज्ञानिक प्रक्रियाएं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पूरी की जाएंगी। फिलहाल अज्ञात शव की पहचान हो जाने से जांच को नई दिशा मिली है और पुलिस को मामले में महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है।

प्रतिदिन स्कूल में पढ़ाई गई विषय वस्तु को मन लगाकर करें पढ़ाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रथम बस्तामुक्त शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में डीईओ अजय कुमार मिश्रा, पूर्व सहायक संचालक रवि सिंहदेव, सुरजपुर बीईओ हरेंद्र सिंह तथा बीआरसी मनोज कुमार मंडल द्वारा विद्यालय पहुंचकर विद्यालयीन गतिविधियों का औचक निरीक्षण किया। संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी के नेतृत्व में संस्था की प्रधानमंत्री पायल राजवाड़े, उप प्रधानमंत्री घरभरन राजवाड़े, सांस्कृतिक मंत्री कोमल सिंह, खेल मंत्री कैलाश राजवाड़े, अनुशासन मंत्री कुश देवांगन, शिक्षा मंत्री खुशी सिंह तथा वर्षा राजवाड़े अध्यक्ष ईको एवं यूथ क्लब द्वारा स्वागत किया गया। ज्ञात हो कि कलेक्टर श्रीमती रेना जमील द्वारा संस्थाओं का सघन जांच करने, शिक्षकों सहित बच्चों की उपस्थिति शत-प्रतिशत करने, शुरुआती दिनों से ही गुणवत्तापूर्ण गरम पर्याप्त मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने, सभी बच्चों को गणवेश तथा पुस्तक उपलब्ध कराने की बात समीक्षा बैठक में कही गई है।

अधिकारियों ने संस्था की बस्ताविहीन शिक्षण पद्धति, दर्ज बच्चों की तुलना में उपस्थिति की जानकारी, संस्था की आंतरिक एवं बाह्य स्वच्छता, किचन गार्डन की तैयारी, पाठ्य पुस्तक स्कैनिंग व वितरण, गणवेश वितरण जांची। संस्था में शिक्षकों सहित बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति, अध्ययनरत बच्चों को पुस्तक स्कैनिंग कर वितरण करने सहित सभी बच्चों को गणवेश वितरण किए जाने पर खुशी जाहिर किया। डीईओ ने बच्चों को प्रतिदिन विद्या अध्ययन हेतु विद्यालय आने, शिक्षकों द्वारा पढ़ाई गई विषय वस्तु को शाम के समय घर पर पढ़ने, शिक्षकों के बताए मार्ग पर ईमानदारी पूर्वक चलने एवं भविष्य में अच्छा इंसान बनने प्रेरित किया। अधिकारियों द्वारा बच्चों को मन लगाकर पढ़ने, माता-पिता का सम्मान करने, बड़ों का कहना मानते हुए अच्छा इंसान बनने कहा गया। इस दौरान संकुल समन्वयक विजेंद्रलाल जायसवाल, संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी, रिजवान अंसारी, श्रीमती पूनम गुप्ता सहित अन्य उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार बना जनकल्याण का प्रभावी माध्यम, हजारों हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशन, सुशासन तिहार अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर जन समस्या निवारण का सशक्त माध्यम बना है। जिला प्रशासन द्वारा जिले में आयोजित सुशासन तिहार आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। प्रशासन द्वारा प्राप्त आवेदनों का गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ निराकरण करते हुए बड़ी संख्या में पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया है। सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की मंशा के अनुरूप प्रशासन को आम जनता के द्वार तक पहुंचा। जिससे ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों को उनकी आवश्यक सेवाएं और योजनाओं का लाभ उपलब्ध हो रहा है। जिले के सभी जनपद पंचायत क्षेत्रों में अधिकारी और मैदानी अमला समन्वित रूप से कार्य करते हुए प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया गया हैं। जिले में सुशासन तिहार के अंतर्गत कुल 540 नवीन राशन कार्ड बनाए गए हैं, 752 राशन कार्डों में नए सदस्यों के नाम जोड़े गए हैं, 1062 पात्र हितग्राहियों की पेंशन स्वीकृत की गई है, 1156 नए शौचालयों की स्वीकृति प्रदान की गई है तथा 79 मनरेगा जॉब कार्ड जारी किए गए हैं।

उदयपुर में सर्वाधिक निराकरण

जनपद पंचायत उदयपुर ने विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। यहां 249 नए राशन कार्ड बनाए गए, 194 राशन कार्डों में नए नाम जोड़े गए, 369 पेंशन स्वीकृत की गईं, 265 नए शौचालयों की मंजूरी दी गई तथा 11 मनरेगा जॉब कार्ड जारी किए गए। उदयपुर क्षेत्र में बड़ी संख्या में पात्र परिवारों को योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया गया है, जिससे ग्रामीणों को सामाजिक सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है।

सीतापुर में राशन कार्ड और शौचालय स्वीकृति में उल्लेखनीय कार्य

जनपद पंचायत सीतापुर में 70 नए राशन कार्ड बनाए गए तथा 320 राशन कार्डों में नए नाम जोड़े गए। इसके अलावा 84 हितग्राहियों की पेंशन स्वीकृत हुई, 300 नए शौचालयों की मंजूरी दी गई तथा 14 मनरेगा जॉब कार्ड जारी किए गए।

बतौली में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को मिली गति

जनपद पंचायत बतौली में 40 नए राशन कार्ड बनाए गए, 55 राशन कार्डों में नाम जोड़े गए तथा 325 हितग्राहियों की पेंशन स्वीकृत की गई। इसके अलावा 75 शौचालयों को मंजूरी दी गई और 12 मनरेगा जॉब कार्ड जारी किए गए।

मैनपाट में रोजगार और स्वच्छता को मिला बढ़ावा

जनपद पंचायत मैनपाट में 13 नए राशन कार्ड बनाए गए, 17 राशन कार्डों में नए नाम जोड़े गए तथा 65 पेंशन स्वीकृत की गईं। इसके अतिरिक्त 250 नए शौचालयों की स्वीकृति प्रदान की गई और 34 मनरेगा जॉब कार्ड जारी किए गए, जो जिले में सर्वाधिक है।

लखनपुर और लुंड्रा में भी हुआ प्रभावी निराकरण

जनपद पंचायत लखनपुर में 14 नए राशन कार्ड बनाए गए, 13 राशन कार्डों में नए नाम जोड़े गए, 57 पेंशन स्वीकृत की गईं, 240 शौचालयों को मंजूरी दी गई तथा 1 मनरेगा जॉब कार्ड जारी किया गया। इसी प्रकार लुंड्रा में 65 नए राशन कार्ड बनाए गए, 132 राशन कार्डों में नए नाम जोड़े गए, 134 पेंशन स्वीकृत की गईं तथा 1 मनरेगा जॉब कार्ड जारी किया गया।

अम्बिकापुर में भी हितग्राहियों को मिला लाभ

जनपद पंचायत अम्बिकापुर में 89 नए राशन कार्ड बनाए गए, 21 राशन कार्डों में नए नाम जोड़े गए, 28 पेंशन स्वीकृत हुईं, 26 शौचालयों की मंजूरी दी गई तथा 6 मनरेगा जॉब कार्ड जारी किए गए। जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण और हितग्राही मूलक योजनाओं के लाभ को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

सुशासन तिहार में जन समस्या का समाधान

सुशासन तिहार के सकारात्मक परिणाम यह दशार्ते हैं कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की जनकल्याण, सुशासन और संवेदनशील प्रशासन की अवधारणा धरातल पर प्रभावी रूप से साकार हुई है। जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण और हितग्राही मूलक योजनाओं के लाभ को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मधुमक्खी पालन तकनीक विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर के प्रायोजन तथा राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, अंबिकापुर के सहयोग से प्रौद्योगिकी ग्राम केन्द्र, सनावल (पचावल), बलरामपुर-रामानुजगंज परिषद में ह्लमधुमक्खी पालन तकनीकह्व विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के ग्रामीण कृषको ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर के महानिदेशक आदरणीय प्रशांत कविश्वर ने मधुमक्खी पालन के महत्व एवं ग्रामीण आजीविका में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, अंबिकापुर के अधिष्ठाता डॉ. संतोष कुमार सिन्हा जी ने ऑनलाइन माध्यम से कृषि में मधुमक्खियों की उपयोगिता एवं परागण में उनकी भूमिका किसानों को बताई। वैज्ञानिक डॉ. अमित दुबे ने मधुमक्खी पालन हेतु भोजन व्यवस्था पर जानकारी दी। वैज्ञानिक डॉ. महेन्द्र कुमार चन्द्रवंशी ने शहद के उपयोग एवं लाभों पर प्रकाश डाला। कृषि विज्ञान केंद्र, सीतापुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख आदरणीय डॉ. राजेश चौकसे ने मधुमक्खियों की प्रजातियों एवं कॉलोनी संगठन की विस्तृत जानकारी दी। सह-प्राध्यापक डॉ. रंजीत कुमार ने मधुमक्खी पालन हेतु उपयुक्त स्थान चयन के बारे में बताय। वैज्ञानिक डॉ. वीरेन्द्र कुमार चौहान ने मधुमक्खी पालन की तकनीकों से अवगत कराया।

इसके पश्चात डॉ. सचिन कुमार जायसवाल ने सनावल ने मधुमक्खी पालन की अपार संभावनाएं, मधु उत्पादन एवं मूल्य संवर्धन विषय पर तथा मधुमक्खियों में होने वाले प्रमुख रोग एवं उनके प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्राध्यापक डॉ. नीलम चौकसे ने प्रतिभागियों का प्रशिक्षणोपरांत मूल्यांकन एवं परिचर्चा आयोजित की तथा सभी प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन को स्वरोजगार एवं अतिरिक्त आय के प्रभावी साधन के रूप में अपनाने हेतु प्रेरित किया। प्रशिक्षण में उपस्थित कृषकों ने कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षणों के आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत 5 दिवसीय योग शिविर का सफल आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवापारा, अंबिकापुर (जिला-सरगुजा) के अधीन शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर पुलिस लाइन अंबिकापुर में विश्व योग दिवस के अवसर पर 17 जून से 21 जून 2026 तक पांच दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के 12वें संस्करण के अवसर पर किया गया, जिसका उद्देश्य योग के माध्यम से स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा देना रहा। योग शिविर का आयोजन प्रभारी चिकित्सा अधिकारी शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवापारा के मार्गदर्शन एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. उत्कर्ष सोनी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। शिविर में योग प्रशिक्षक योगिनी श्रीमती सुभमा तिवारी ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का प्रशिक्षण प्रदान करते हुए नियमित योग के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉ. भारती परिहार, डॉ. नम्रता सिंह तथा आयुष टीम का विशेष योगदान रहा। शिविर में शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा समस्त शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया। पांच दिवसीय इस योग शिविर के माध्यम से प्रतिभागियों को योग के शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक लाभों की जानकारी दी गई तथा दैनिक जीवन में योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। आयोजन का समापन 21 जून 2026 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास के साथ हुआ।

बिना लाइसेंस कीटनाशकों के विक्रय पर होगी सख्त कार्रवाई जिलाधिकारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनपद के समस्त कीटनाशक विक्रेताओं, थोक एवं फुटकर व्यापारियों, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म संचालकों तथा कृषक बंधुओं को निर्देशित करते हुए कहा है कि कीटनाशी अधिनियम, 1968 एवं कीटनाशी नियमावली, 1971 के प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना वैध लाइसेंस के किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा कीटनाशकों का भंडारण, विक्रय, वितरण अथवा ऑनलाइन व्यापार पूर्णतः प्रतिबंधित है। जिलाधिकारी ने कहा कि कीटनाशकों के विक्रय एवं भंडारण हेतु सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य है। सभी लाइसेंसधारी विक्रेता केवल अनुमोदित एवं पंजीकृत कीटनाशकों का ही विक्रय करें तथा प्रत्येक बिक्री पर बिल अथवा कैश मेमो जारी करते हुए अभिलेखों एवं स्टॉक रजिस्टर का अद्यतन संधारण सुनिश्चित करें।

नैनो उर्वरक से देवचरण की बढ़ी पैदावार, घटी लागत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। कृषि क्षेत्र में आधुनिक एवं वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाने से किसानों की आय में वृद्धि के साथ-साथ खेती की लागत भी कम हो रही है। जिले के ग्राम करजी निवासी किसान देवचरण भगत नैनो यूरिया के सफल उपयोग से लाभान्वित होने वाले किसानों में शामिल हैं। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि पिछले तीन वर्षों से वे अपनी खेती में नैनो यूरिया का उपयोग कर रहे हैं, जिससे उन्हें बेहतर उत्पादन, कम लागत और फसलों में कीट प्रकोप में कमी जैसे परिणाम प्राप्त हुए हैं।

सीमित भूमि में वैज्ञानिक खेती से लाभ

किसान देवचरण भगत ने बताया कि उनके पास लगभग दो एकड़ कृषि भूमि है, जिसमें वे धान, गेहूं, टमाटर और बैंगन सहित विभिन्न फसलों की खेती करते हैं। उन्होंने कहा कि सीमित भूमि होने के बावजूद नैनो यूरिया के उपयोग से उन्हें संतोषजनक पैदावार प्राप्त हुई है और खेती अधिक लाभकारी बनी है।

उन्होंने बताया कि नैनो यूरिया का उपयोग करना भी काफी आसान है। 18 लीटर पानी की एक टंकी में तीन ढक्कन नैनो यूरिया मिलाकर फसलों पर छिड़काव किया जाता है, जिससे अच्छे परिणाम प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि निर्धारित मात्रा में उपयोग करने पर इसका प्रभाव बेहतर दिखाई देता है।

किसान देवचरण भगत के अनुसार नैनो यूरिया पारंपरिक दानेदार यूरिया की तुलना में अधिक सुविधाजनक है। इसकी मात्रा कम होने के कारण परिवहन और उपयोग में आसानी होती है तथा लागत भी कम आती है। उन्होंने बताया कि इसके अच्छे परिणामों को देखते हुए वे अन्य किसानों को भी इसके उपयोग के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

नैनो उर्वरक के उपयोग से अतिरिक्त खर्च में कमी

उन्होंने कहा कि दानेदार यूरिया के उपयोग से कई बार फसलें अत्यधिक मुलायम हो जाती हैं, जिससे कीटों का प्रकोप बढ़ने की संभावना रहती है। जबकि नैनो यूरिया के उपयोग से फसलों में इस प्रकार की समस्या अपेक्षाकृत कम देखने को मिली है। इससे कीटनाशक दवाओं की आवश्यकता भी कम पड़ती है, जिससे अतिरिक्त खर्च में कमी आती है।

देवचरण भगत ने बताया कि पिछले तीन वर्षों के अनुभव के आधार पर उन्हें नैनो यूरिया से अच्छे परिणाम प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह तकनीक छोटे और सीमांत किसानों के लिए विशेष रूप से लाभकारी साबित हो सकती है, क्योंकि इससे कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

कृषि विभाग द्वारा किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाने, संतुलित उर्वरक उपयोग तथा नैनो उर्वरकों के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों को प्रशिक्षण, प्रदर्शन एवं तकनीकी मार्गदर्शन के माध्यम से नई कृषि तकनीकों से जोड़ने का कार्य भी किया जा रहा है, ताकि कृषि उत्पादन में वृद्धि के साथ किसानों की आय में भी बढ़ोतरी सुनिश्चित की जा सके।

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विषयक एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर-रामानुजगंज। प्रौद्योगिकी ग्राम केंद्र, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर (छ.ग.) के प्रायोजन तथा राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, अंबिकापुर के सहयोग से विज्ञान केन्द्र, ग्राम-सनावल (पचावल), जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में ₹सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी₹ विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्र के कृषको ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम पंचायत सनावल के सरपंच द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम आदरणीय डॉ. एसके सिन्हा जी अधिष्ठाता राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, अंबिकापुर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नीलम चौकसे ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कृषि क्षेत्र में डिजिटल तकनीकों के महत्व को रेखांकित किया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राजेश चौकसे, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र सीतापुर ने डिजिटल सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. रंजीत कुमार, सह-प्राध्यापक, राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, अंबिकापुर ने ई-कृषि विस्तार सेवाओं की जानकारी दी। इसके पश्चात डॉ. सचिन कुमार जायसवाल ने ₹ई-लर्निंग ऐप के माध्यम से कृषि प्रबंधन₹ विषय पर किसानों को विभिन्न कृषि मोबाइल एप्स, ऑनलाइन प्रशिक्षण प्लेटफॉर्म, डिजिटल सलाह सेवाओं एवं कृषि प्रबंधन में उनकी उपयोगिता के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म किसानों को घर बैठे नवीन कृषि तकनीकों, मौसम आधारित सलाह, रोग एवं कीट प्रबंधन तथा बाजार संबंधी जानकारी उपलब्ध कराते हैं और शिवानी मिश्रा ने मोबाइल ऐप का कृषि में उपयोग एवं ड्रोन तकनीक पर जानकारी दी। वहीं पंकज चंद्राकर, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी ने स्मार्ट एवं सटीक कृषि पद्धति पर व्याख्यान देते हुए आधुनिक तकनीकों के प्रयोग से उत्पादन बढ़ाने के उपाय बताए। कार्यक्रम में किसानों को विभिन्न कृषि मोबाइल एप्स, डिजिटल पोर्टल, ई-नाम, किसान सुविधा, मेघदूत, एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सेवाओं तथा ड्रोन आधारित कृषि तकनीकों की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कृषि में डिजिटल तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. नीलम चौकसे द्वारा प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया तथा प्रशिक्षणोपरांत मूल्यांकन एवं परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कृषक, ग्रामीण युवा एवं महिला कृषकों की सहभागिता रही।

12 मिनट 54 सेकंड सूर्य देखकर हेराल्ड में छाए लालजी, कमिश्नर-आईजी से मिला सम्मान अंबिकापुर। सरगुजा का नाम अब अमेरिका तक गूंज रहा है। ब्रेन एकेडमी अंबिकापुर के प्रणेता लाल विजय श्रीवास्तव 'लालजी' ने 38 डिग्री से अधिक तापमान में बिना पलक झपकाए लगातार 12 मिनट 54 सेकंड तक सूर्य को देखकर विश्व रिकॉर्ड बनाया है। इस चमत्कारिक उपलब्धि पर 'यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' ने उन्हें आजीवन सदस्य मनोनीत किया है। अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 'यूएसए हेराल्ड' ने भी उन्हें वैश्विक पटल पर विशेष स्थान दिया है। लालजी पहले ही इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और वर्ल्ड रिकॉर्ड्स इंडिया में कीर्तिमान बना चुके हैं। प्रशासन से मिला सम्मान अपनी उपलब्धि को लालजी ने माँ महामाया के चरणों में अर्पित किया। सरगुजा संभाग के कमिश्नर नरेंद्र कुमार दुग्गा ने उन्हें बुलाकर अंतर्राष्ट्रीय प्रमाण-पत्र देखा और भूरि-भूरि प्रशंसा की। वहीं सरगुजा रेंज आईजी दीपक कुमार झा ने अपने कार्यालय में विशेष ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। आईजी ने कहा - ₹लालजी का यह कीर्तिमान युवाओं में इच्छाशक्ति और एकाग्रता का मील का पत्थर बनेगा। ₹'सुपर कंप्यूटर माइंड प्रोजेक्ट' को बड़ी सफलता लालजी के इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य सरकारी स्कूलों के वनांचल-ग्रामीण बच्चों की मेधा शक्ति को तेज और अचूक बनाना है। कमिश्नर दुग्गा के आधिकारिक पत्र से सरगुजा-सूरजपुर के कलेक्टर और शिक्षा विभाग को इसे लागू करने के निर्देश मिले हैं। सूरजपुर क्षेत्र में एसईसीएल को सीएसआर मद से वित्तीय सहयोग देने को कहा गया है।

नशामुक्त भारत सप्ताह के तहत विशेष विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

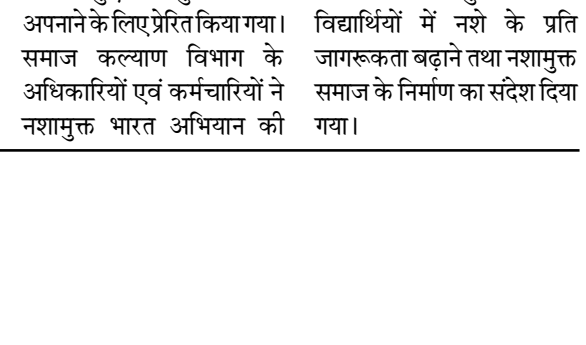

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। नशामुक्त भारत अभियान योजना के अंतर्गत आयोजित नशामुक्त भारत सप्ताह के तहत आज समाज कल्याण विभाग द्वारा होलीक्रॉस आशा निकुंज श्रवण बाधित विशेष विद्यालय, अंबिकापुर में नशामुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टॉफ को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नशामुक्त भारत अभियान की रूपरेखा, उद्देश्य तथा समाज में इसकी आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर उपस्थित छात्र-छात्राओं को नशामुक्त भारत अभियान के तहत नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई तथा स्वस्थ, सुरक्षित और जागरूक समाज के निर्माण में अपनी सहभागिता निभाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण, स्टॉफ तथा समाज कल्याण विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। अभियान के माध्यम से युवाओं और विद्यार्थियों में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया।

सम्पादकीय

होर्मुज को हथियार नहीं बनाएं ऊर्जा आपूर्ति का मार्ग रहने दें

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अब होर्मुज जलडमरूमध्य में टोल लगाने की चेतावनी देकर नया तनाव खड़ा कर दिया है। इससे एक बार फिर अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है। चूंकि दुनिया के ऊर्जा व्यापार का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज से होकर ही गुजरता है। ट्रंप का यह फैसला खाड़ी देशों के लिए भी परेशानी खड़ी कर सकता है। ऐसा होने पर दुनियाभर के देश ऊर्जा आपूर्ति के लिए दूसरे रास्ते तलाशने शुरू कर देंगे। ट्रंप के बयान ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। उनका तर्क है कि मध्य-पूर्व की सुरक्षा पर अमेरिका ने जो खर्च किया है, उसकी भरपाई इस शुल्क से की जा सकती है, लेकिन सवाल यह है कि क्या दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग को किसी देश की राजनीतिक या आर्थिक रणनीति का उपकरण बनाया जा सकता है? होर्मुज जलडमरूमध्य केवल एक समुद्री रास्ता नहीं है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कन है। दुनिया के समुद्री मार्ग से होने वाले तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी संकरे जलमार्ग से होकर गुजरता है। खाड़ी देशों से निकलने वाला कच्चा तेल एशिया, यूरोप और दुनिया के कई हिस्सों तक इसी रास्ते पहुंचता है। यदि यहां किसी प्रकार का अवरोध, टोल या सैन्य तनाव पैदा होता है तो उसका असर केवल क्षेत्रीय देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। अमेरिका यदि सुरक्षा खर्च के नाम पर यहां टोल लगाने की कोशिश करता है तो यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों और मुक्त व्यापार व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े करेगा। समुद्री मार्ग किसी एक देश की जागीर नहीं होते। वे वैश्विक संपदा हैं, जिनका उपयोग अंतरराष्ट्रीय नियमों और पारस्परिक सहमति के आधार पर होता है। यदि शक्तिशाली देश अपनी सैन्य ताकत के आधार पर ऐसे मार्गों पर शुल्क लगाने लगे तो भविष्य में अन्य रणनीतिक समुद्री मार्गों पर भी इसी प्रकार के दावे सामने आ सकते हैं। इससे वैश्विक व्यापार व्यवस्था में अस्थिरता बढ़ेगी। खाड़ी देशों के लिए भी यह स्थिति चिंता का विषय है। उनकी अर्थव्यवस्था बड़े पैमाने पर ऊर्जा निर्यात पर निर्भर करती है। अतिरिक्त शुल्क या राजनीतिक अनिश्चितता उनके निर्यात को प्रभावित कर सकती है। यही कारण है कि क्षेत्र के अधिकांश देश चाहते हैं कि होर्मुज विवाद और शक्ति प्रदर्शन का मंच न बने, बल्कि सुरक्षित और निर्बाध समुद्री मार्ग बना रहे। भारत के लिए यह मुद्दा और भी अधिक महत्वपूर्ण है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आयात करता है। भारतीय तेल टैंकरों का सुरक्षित रूप से होर्मुज पार करना फिलहाल राहत की बात है, लेकिन यदि क्षेत्र में तनाव बढ़ता है या टोल जैसी व्यवस्था लागू होती है तो इसका सीधा असर भारत की आयात लागत पर पड़ेगा। महंगा तेल परिवहन, उद्योग और आम उपभोक्ता की जेब पर भी बोझ बढ़ाता है। ऐसे में भारत जैसे विकासशील देशों के लिए ऊर्जा सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बन सकती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय होर्मुज को राजनीतिक दबाव का हथियार बनने से रोके। इसे ऊर्जा आपूर्ति का मार्ग ही रहने दें। दुनिया पहले ही आर्थिक अनिश्चितताओं, महंगाई और क्षेत्रीय संघर्षों से जूझ रही है। ऐसे में होर्मुज को नई भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का अखाड़ा बनाना किसी के हित में नहीं होगा। बेहतर यही है कि इसे शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि वैश्विक सहयोग और आर्थिक स्थिरता के प्रतीक के रूप में देखा जाए। क्योंकि होर्मुज में पैदा होने वाली हलचल केवल समुद्र तक सीमित नहीं रहती, उसकी लहरें पूरी दुनिया को प्रभावित करती हैं।

सिरप
डॉ. ओपी त्रिपाठी

स्वास्थ्य की सुरक्षा में सराहनीय फैसला

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक नोटिफिकेशन जारी किया है, जिसके तहत खांसी की सिरप समेत सभी तरह की सिरप अब बिना डॉक्टर की पर्ची के नहीं मिलेंगी। इन सिरप को खरीदने के लिए डॉक्टर की पर्ची जरूरी होगी। सरकार ने 'ड्रग्स रूल्स, 1945' में एक नया बदलाव करके कफ सिरप समेत सभी सिरप की बिक्री के नियमों को सख्त कर दिया है। इसका मतलब अब ग्राहकों को फार्मेसी से ऐसी दवाएं खरीदने के लिए डॉक्टर की पर्ची की जरूरत पड़ेगी। यह कदम मध्य प्रदेश और राजस्थान में दूषित कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के कुछ महीनों बाद उठाया गया है। इन घटनाओं ने आम तौर पर इस्तेमाल होने वाली लिक्विड दवाओं की सुरक्षा और रेगुलेशन को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी थीं। इन घटनाओं के बाद सिरप बनाने और बेचने के तरीकों पर कड़ी निगरानी और सख़्त जांच की मांग फिर से उठने लगी थी। आम भारतीयों की आदत में शुमार है कि लोग अक्सर खांसी-बुखार की दवाइयां यह जाने बगैर सेवन करते हैं कि उनमें क्या-क्या मिला है।

यह भी कि इनके उपयोग से हमारे शरीर में क्या-क्या साइड-इफेक्ट हो सकते हैं। यह भी जानने की कोशिश नहीं होती है कि इन सिरप आदि को अन्य दवाओं के साथ लेने से क्या-क्या नकारात्मक प्रतिक्रिया हमारे शरीर में हो सकती है। ये घरेलू नीम-हकीमी जान को खतरे में भी डाल सकती है। देश में बने सिरप के सेवन से बच्चों की मृत्यु से दवा उद्योग पर आंच आई थी। यही वजह है कि खांसी व अन्य दवाओं के सिरप की बिना डॉक्टर की पर्ची के बिक्री पर रोक लगाने का फैसला सरकार को लेना पड़ा है। निश्चय ही केंद्र सरकार द्वारा यह फैसला सही समय पर लिया गया जरूरी कदम कहा जा सकता है। निस्संदेह, सरकार के इस कदम को सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी सुरक्षा को मजबूत करने की बड़ी कोशिश का हिस्सा माना जाना चाहिए। हाल की कुछ दुःखद घटनाओं के घातक परिणामों के मद्देनजर लोगों को हर खांसी-जुकाम आदि छोटे-मोटे रोगों के लिए खुद दवा लेने की आदत से परहेज करना चाहिए। दरअसल, भारत में लंबे समय से ऐसी धारणा रही है कि ये सिरप आदि दवाइयां मौसमी बीमारियों के लिए नुकसान-रहित होती हैं, लेकिन पिछले कुछ समय में हुई दुःखद घटनाओं ने इनके अंधाधुंध प्रयोग और दवा निर्माण से जुड़े कमजोर नियमन को ही उजागर किया है। कुछ समय पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आरोप लगाए गए थे कि गैम्बिया,उज्बेकिस्तान और कैमरून आदि देशों में दर्जनों बच्चों की मौत भारत में बने दूषित खांसी के सिरप के उपयोग से हुई थी। इतना ही नहीं, देश के भीतर भी दूषित दवाओं से जुड़ी मौतों की खबरों ने इन सिरपों की गुणवत्ता नियमन, परीक्षण और निगरानी पर गाहे-बगाहे सवाल उठाए हैं। निश्चित रूप से इन घटनाओं ने दुनिया भर में सस्ती दवाओं की आपूर्ति करने वाले भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान ही पहुंचाया है। सरकार की हालिया पहल को इसी दिशा में उठाए गए कदम के रूप में देखना चाहिए, लेकिन सवाल सिर्फ कफ सिरप का ही नहीं है। सरकार के इस कदम का सीधा असर अब सिरप-बेस्ड दवाओं की बिक्री पर पड़ेगा। इस ऐतिहासिक बदलाव के बाद खांसी की दवाई समेत सभी प्रकार के सिरप अब 'ओवर-द-काउंटर' यानी बिना पर्चे के नहीं बेचे जा सकेंगे। अब किसी भी मेडिकल स्टोर से सिरप खरीदने के लिए मरीजों को अनिवार्य रूप से डॉक्टर का पर्चा दिखाना होगा, जिसके बाद ही दवा दी जाएगी। इस बड़े नीतिगत बदलाव के बाद, अब यदि किसी मरीज को खांसी की दवाई या कोई अन्य सिरप आधारित दवा खरीदनी है, तो उसे अनिवार्य रूप से किसी रजिस्टर्ड डॉक्टर का वैध पर्चा दिखाना होगा।

बिना पर्चे के कोई भी केमिस्ट या फार्मासिस्ट ग्राहकों को सिरप नहीं बेच सकेगा। यदि कोई मेडिकल स्टोर संचालक बिना डॉक्टर के पर्चे के कफ सिरप बेचते हुए पाया जाता है, तो ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत उस पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कफ सिरप के बढ़ते दुरुपयोग और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह सख्त कदम उठाया है। बहरहाल, अब जब सरकार ने तय कर दिया है कि अनुभवी डॉक्टर की सलाह से ही सिरप आदि खरीदे जा सकते हैं तो मरीजों के तीमारदार तय कर सकेंगे कि किस कंपनी की गुणवत्ता वाली दवा खरीदनी है। इससे न केवल इलाज सही हो सकेगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित हो सकेगा कि मरीज के शरीर में कोई अन्य बीमारी छूट न जाए। हकीकत यह भी है कि सिर्फ कठोर कानून बनाने मात्र से ही बेहतर परिणाम हासिल नहीं किए जा सकते हैं। भारत में पहले से ही दवाइयों की बिक्री के नियमन से जुड़े कानूनों की कमी नहीं है। इसके बावजूद डॉक्टर की पर्ची पर ही उपलब्ध होने वाली दवाइयां अक्सर बिना पर्याप्त जांच-पड़ताल के ही आसानी से मेडिकल स्टोरों में मिल जाया करती हैं। एक चिकित्सक होने के नाते मेरा अनुभव है कि कई माता- पिता डॉक्टर से सलाह के बिना ही खुद से कफ सिरप खरीकर बच्चे को देना शुरू कर देते हैं, लेकिन यह ठीक नहीं है। खासतौर पर 2 साल से छोटे बच्चों को डॉक्टर की सलाह के बिना सिरप बिल्कुल न दें। ऐसा इसलिए क्योंकि इन सिरप में एंटीहिस्टामाइन हो सकता है। इससे गंभीर और जानलेवा साइड इफेक्ट हो सकते हैं। इन दवाओं के साइड इफेक्ट में दौरे पड़ना, दिल की धड़कन तेज होना और कुछ मामलों में मौत तक हो सकती है। ऐसा अक्सर तब होता है, जब इनका तय मात्रा से ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। अधिकतर बच्चों में खांसी की समस्या वायरल इंफेक्शन की वजह से होती है। ये अपने आप ही कुछ दिनों में ठीक हो जाता है, लेकिन कुछ माता-पिता हल्की खांसी में ही सिरप दे देते हैं। बच्चे को आराम तो खुद ही होता है, लेकिन उनको लगता है कि ऐसा कफ सिरप देने से हुआ है। इस वजह से जब भी बच्चे को खांसी होती है तो माता- पिता उसको सिरप देने लगते हैं। हल्की खांसी में सिरप की जरूरत नहीं है, लेकिन अगर खांसी के कारण बच्चे की नींद पूरी नहीं हो रही है, उसके सीने में दर्द है, कफ की वजह से सांस लेने में दिक्कत आ रही है, तो डॉक्टर की सलाह पर ही सिरप की सही खुराक दी जानी चाहिए।

डॉक्टर को किसी विशेष बीमारी जैसे ब्रोंकाइटिस, अस्थमा के लक्षण दिखते हैं तो तब भी वह कफ सिरप दे सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें कि अगर हल्की खांसी है और कोई दूसरे गंभीर लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं तो कफ सिरप देने से बचें। दरअसल, असली चुनौती कानून का अनुपालन सख्ती से करने की होती है। जब तक देश में तमाम फार्मेसियों की नियमित जांच नहीं होती, कानून का उल्लंघन करने पर कड़े दंड का प्रावधान नहीं होता, तब तक नए नियम-कानून महज अच्छे इरादे वाले निर्देश मात्र बनकर रह जाएंगे। वास्तव में देश में दवा उत्पादक इकाइयों की नियमित निगरानी, राज्यों में सशक्त ड्रग-कंट्रोल अथॉरिटी, नियमित गुणवत्ता जांच के अलावा जन चेतना अभियान चलाने की सख्त जरूरत है। लोगों को बिना डॉक्टर के परामर्श के दवा लेने के खतरों से अवगत कराना होगा।

(लेखक चिकित्सक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

आर्थिकी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

आयात निर्भरता होगी कम

100 उत्पाद होंगे चिन्हित

आयात निर्भरता कम करने की दिशा में भारत सरकार ने ठोस कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। देश में आयात में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है तो इलेक्ट्रोनिक उत्पादों का आयात 100 अरब डॉलर के आंकड़े को भी पहली बार पार कर गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्र प्रथम, मेड इन इण्डिया और वोकल फॉर लोकल को केवल जुमला के स्थान पर धरातल पर उतारने को कटिबद्ध हो गए हैं। पिछले दिनों देश में 100 सर्वाधिक आयात होने वाले उत्पादों को चिन्हित कर उनका देश में ही उत्पादन बढ़ाने की दिशा में ठोस प्रयास शुरू किए गए हैं। उद्योग एवं व्यापार संवर्धन विभाग के सचिव की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन कर 3 सप्ताह में सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। इसके लिए 6 क्षेत्र विशेष कार्य समूह का गठन किया गया है। कमेटी द्वारा एक मोटे अनुमान के अनुसर 500 आयात होने वाले प्रमुख उत्पादों का अध्ययन किया जाएगा और इनमें से पहले चरण में 100 उत्पादों का चयन किया जाएगा। इन 100 उत्पादों का उत्पादन देश में ही बढ़ाया जाएगा ताकि विदेशों से आयात पर निर्भरता कम हो सके। दरअसल देश में 2025-26 में 7.5 प्रतिशत ग्रोथ के साथ 775 अरब अमेरिकी डॉलर के उत्पाद आयात हुए हैं। इनमें भी 18 प्रतिशत की विकास दर के साथ सर्वाधिक 116 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद आयात किए गए हैं। देश में प्रमुखतः 6 क्षेत्रों में आयात हो रहा है। इनमें फार्मास्यूटिकल, बायोटेक, मेडिकल क्षेत्र, रसायन और पेट्रोकेमिकल, कपड़े, जूते आदि सेक्टर, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक वाहन ईवी और पूजीगत सामानों का आयात सेक्टर, उर्जा क्षेत्र, निर्माण और संरचना क्षेत्र और रक्षा, एयरोस्पेस, इलेक्ट्रॉनिक आदि सेक्टर हैं। यह कमेटी इन सेक्टरों के 500 प्रमुख उत्पादों में से 100 उत्पाद चिन्हित करेंगी, जिनका उत्पादन देश में बढ़ाया जा सके और आयात में निर्भरता को कम किया जा सके। कमेटी ने काम आरंभ कर दिया है और सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि कमेटी को 3 सप्ताह में अपनी रिपोर्ट सरकार को देने के लिए कहा गया है। इसका मतलब यह है कि सरकार सर्वाधिक आयात होने वाले 100 उत्पादों का उत्पादन देश में ही बढ़ाने के लिए संकल्पित है। दरअसल प्रधानमंत्री वोकल फॉर लोकल की बात हवा में नहीं करते रहे हैं। मेड इन इंडिया और इसकी ब्रॉण्डिंग की बात भी हवा-हवाई ना होकर इसके पीछे आयात को कम करने और भारतीय उत्पादों की विदेशों में पहचान बनाने और बाजार विकसित करने में हैं। इसी दिशा में बढ़ता एक कदम सरकार को एक जिला एक उत्पाद कार्यक्रम है। एक बात तो यह साफ हो जानी चाहिए कि भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता और पहचान रही है। आगे भी इसके ठोस प्रयास करने होंगे। दूसरी यह कि आयात का सीधा अर्थ है कि इन उत्पादों की हमारे देश में काफी मांग है और इस मांग की पूर्ति नहीं हो पर रही है और विदेशों से आयात पर निर्भरता बनी हुई है। ऐसे में योजनाबद्ध तरीके से आयात घटाने, स्थानीय आवश्यकता की देश में ही आपूर्ति सुनिश्चित करने और निर्यात बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाने की आवश्यकता है और सरकार के इन प्रयासों में यही परिलक्षित हो रहा है। किसी भी देश के आर्थिक स्वास्थ्य के लिए आयात पर निर्भरता कम होनी चाहिए। देश में ही उत्पादन होने लगता है तो एक और विदेशी मुद्रा की बचत होती है तो दूसरी और देश में ही रोजगार, निवेश और सरकारी राजस्व के साथ ही इकोनॉमी का बूस्ट मिलता है। केन्द्र सरकार ने देश में ही उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन योजना सहित अनेक कदम उठाने जा रही है। इसे इस दृष्टि से शुभ संकेत व सरकार की गंभीरता के रूप में समझा जा सकता है। केन्द्र सरकार ने देश में ही उत्पादन बढ़ाने के लिए पीएलआई यानी प्रोडक्शन लिंक्ड इंस्टेटिव योजना लागू की है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक, फार्मा, ऑटोमोबाइल, रसायन सहित 14 प्रमुख क्षेत्रों को प्रोडक्शन लिंक्ड इंस्टेटिव के दायरें में लाया गया है। देश में आरएण्डी सेल बनाकर शोध एवं अनुसंधान पर जोर दिया जा रहा है। विदेशों से आयात कर डंपिंग पर रोक लगाने के लिए एंटी डंपिंग शुल्क लगाने के साथ ही योजनाबद्ध तरीके से मेड इन इंडिया को प्रोत्साहित किए जाने पर जोर दिया जा रहा है। देश को आर्थिक दृष्टि से सशक्त राष्ट्र बनाने के लिए आयात पर निर्भरता तो कम करनी ही होगी। आज विदेशी के नाम पर देशवासियों खासतौर से अमीर लोगों की खरीद की प्रवृति को भी बदलने की आवश्यकता है। माना जाना चाहिए कि उद्योग सचिव की कमेटी द्वारा 100 उत्पादों के चिन्हिकरण और ठोस योजना के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी और सरकार द्वारा भी कमेटी की सिफारिश के अनुसार चिन्हित इन उत्पादों के उत्पादन बढ़ाने की खासतौर से स्थानीय मांग की पूर्ति की कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन करना होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

पसंद और नापसंद से मुक्त होना जरूरी

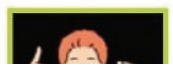

आपने देखा होगा कि लोग बड़े गर्व से अक्सर कहते हैं, 'मुझे यह पसंद है, इसलिए मैं यह करके रहूंगा और वह मुझे पसंद नहीं है, इसलिए उसे मैं बिल्कुल नहीं करूंगा, क्योंकि मैं स्वाधीन हूं।' क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि यह सोच सचमुच आपकी स्वाधीनता से जन्मा है? यह स्वाधीनता नहीं है. यह तो बेबसी है. लाचारी है। पसंद और नापसंद की बेडियों में आज लगभग पूरी मानवता जकड़ी हुई है। सभी पारिवारिक झगड़ों की जड़ में लोगों की व्यक्तिगत पसंद और नापसंद ही होती हैं। पसंद और नापसंद को लेकर समाज, राष्ट्र और धर्म तक बंटे हुए हैं। जब हमारे सोच का दायरा बहुत सीमित होता है, हम कई तरह के पूर्वाग्रहों से ग्रस्त हो जाते हैं, फिर हम पर पसंद और नापसंद की सनक सवार हो जाती है। तब हम उसे नहीं देख पाते, जिसकी जरूरत है। हम वही करते हैं, जिसे हम पसंद करते हैं। वह नहीं करते, जिसे किए जाने की आवश्यकता है। फिर शुरू होता है अविराम झंझटों व विवादों का सिलसिला और उसी में उलझकर रह जाता है हमारा लघु-जीवन। योग परंपरा में भीतरी आयाम को बहुत गहराई से देखा गया और भीतरी पराधीनता से मुक्त होने की कई तकनीकों का आविष्कार किया गया, क्योंकि जो भीतरी पराधीनता का शिकार नहीं है, उसे कोई बाहरी शक्ति उस पर नियंत्रण नहीं कर सकती। पसंद और नापसंद की सनक से मुक्त होने के लिए हमें अपनी चेतना पर काम करना होगा। एक जागरूक व्यक्ति ही यह देख पाने में सक्षम होता है कि किसी विशेष परिस्थिति में क्या आवश्यक है और क्या किया जाना चाहिए।

संकलित
दर्शन

मन को कभी भी निराश न होने दें

सुबह होते ही, एक भिखारी सेठजी के घर पर भिक्षा मांगने के लिए पहुंच गया। भिखारी ने दरवाजा खटखटाया, सेठजी बाहर आए पर उनकी जेब में देने के लिए कुछ न निकला। वे कुछ दुखी होकर घर के अंदर गए और एक बर्तन उठाकर भिखारी को दे दिया। भिखारी के जाने के थोडी देर बाद ही वहां सेठजी की पत्नी आई और बर्तन न पाकर चिल्लाने लगीः अरे! क्या कर दिया आपने चांदी का बर्तन भिखारी को दे दिया। दौड़ो-दौड़ो और उसे वापिस लेकर आओ। सेठजी दौड़ते हुए गए और भिखारी को रोक कर कहाः भाई मेरी पत्नी ने मुझे जानकारी दी है कि यह गिलास चांदी का है, कृपया इसे सस्ते में मत बेच दीजिएगा। वही पर खड़े सेठजी के एक मित्र ने उससे पूछाः मित्र! जब आपको पता चल गया था कि ये गिलास चांदी का है तो भी उसे गिलास क्यों ले जाने दिया? सेठजी ने मुस्कुराते हुए कहाः मन को इस बात का अभ्यस्त बनाने के लिए कि वह बड़ी से बड़ी हानि में भी कभी दुखी और निराश न हो! मन को कभी भी निराश न होने दें, बड़ी से बड़ी हानि में भी प्रसन्न रहें। मन उदास हो गया तो आपके कार्य करने की गति धीमी हो जाएगी। इसलिए मन को हमेशा प्रसन्न रखने का प्रयास। इसी लिए कहां गया है, मन प्रसन्न तो आप प्रसन्न। प्रसन्न मन हमारे शरीर पर काफी प्रभाव डालता है। प्रसन्न मन से किए गए कार्य में सफलता की संभावना अधिक होती है।

संकलित
प्रेरणा

सटाका

आज की पाती

अपराध की दुनिया में महिलाओं की सक्रियता

आधुनिक डिजिटल युग में देश जैसे-जैसे स्मार्ट और तकनीकी रूप से उन्नत होता जा रहा है, वैसे-वैसे अपराधों की संख्या और उन्हें अंजाम देने के तौर तरीकों में भी निरंतर वृद्धि हो रही है। भारत में अपराध जगत में महिलाओं की भागीदारी अभी भी पुरुषों की तुलना में कम है, किंतु पिछले कुछ वर्षों में इसमें आई बढ़ोतरी निश्चित रूप से चिंतन और चिंता का विषय है। वर्तमान समय में महिलाओं की अपराधों में संलिप्तता केवल परिवार के पुरुष सदस्यों के अवैध कारोबार में सहयोग करने तक सीमित नहीं रह गई है। मादक पदार्थों की तस्करी, आर्थिक अपराध, साइबर धोखाधड़ी, बच्चों की चोरी, मानव तस्करी और हत्या जैसे जघन्य अपराधों में भी महिलाओं की भागीदारी के मामले सामने आ रहे हैं। इस संबंध में प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए।

– समीक्षा जैन, हिसार

ट्रेंड

महिला हॉकी टीम को बधाई

भारतीय हॉकी खिलाड़ियों ने देश का मान बढ़ाया और खुशियां दीं! एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप जीतने पर महिला टीम को बधाई। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाया। टीम को बहुत शुभकामनाएं।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

मां के नाम एक पेड़

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर "मां के नाम एक पेड़" अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। आइए, ग्रीन वॉरियर बनकर जन-भागीदारी के साथ इस अभियान से जुड़ें और एक हरित, स्वस्थ और विकसित दिल्ली बनाने में योगदान दें।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

स्वस्थ समाज का निर्माण

देश के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू योग को शारीरिक स्वास्थ्य और चेतना के उत्कर्ष का माध्यम मानते थे। हम उनके विचारों को आत्मसात कर स्वस्थ, सशक्त और समृद्ध समाज के निर्माण के लिए संकल्पित हैं।
-सुखविंदर सिंह सुक्खु, सीएम, हिमाचल प्रदेश

हिंदुओं की आस्था का केंद्र

राम मंदिर करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है। उसी राम मंदिर से करोड़ों रुपये का दान चोरी हो गया, फिर भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इस पाप में शामिल लोग चाहे कितने भी बड़े क्यों न हों, उन्हें सीधे जेल में डाल देना चाहिए। करोड़ों लोगों की आस्था की रक्षा करना जरूरी है।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

सिंगापुर में योग प्रेमियों ने योग दिवस मनाया

सिंगापुर में रविवार को एक राज्य मंत्री और भारतीय मूल के लोगों समेत सैकड़ों योग प्रेमियों ने उत्साह और समावेशन की भावना के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मनाया। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2014 में अपनाए जाने के बाद से, हर साल 21 जून को दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इस साल के कार्यक्रम का विषय ' बढ़ती उम्र में योग से रहें निरोग' है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तहत भारत के उच्चायोग ने इस प्राचीन अभ्यास को लोगों के करीब लाने के लिए कई आरंभिक कार्यक्रम और योग सत्र आयोजित किए।

इस मौके पर सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पाक अंबुले ने कहा, 'सिंगापुर ने बहुसंस्कृतिवाद , कल्याण और संपोषणीय विकास के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता संग योग को उत्साह और समावेशन भावना के साथ अपनाया है।' भारतीय उच्चायुक्त ने ' गार्डन बाय द बे' में सिंगापुर में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों और इस द्वीप-देश के बहु-राष्ट्रीय समुदाय के योग प्रेमियों का स्वागत किया। संस्कृति, समुदाय और युवा मंत्रालय तथा परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री बे याम केंग भी सिंगापुर सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर इस कार्यक्रम में शामिल हुए, जिसमें लगभग 350 योग प्रेमी मौजूद थे।

ऑफ बीट

धीरे-धीरे दौड़ने के कई फायदे आए सामने

धावकों को समय को लेकर जुनून होता है। शौकिया हों या पेशेवर, अधिकतर धावकों का उद्देश्य तेजी से दौड़ना होता है। वे अपने मैराथन समय में से कुछ सेकंड कम करने के लिए लगातार प्रशिक्षण लेते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में दौड़ने का जो चलन जोर पकड़ रहा है, वह है 'धीमी गति से दौड़ना'। इस चलन के पीछे विचार यह है कि कोई भी दौड़ सकता है – चाहे आपकी क्षमता कुछ भी हो या आप कितनी भी तेज दौड़ें। एक मजबूत आधार विकसित करने से काम करने वाली मांसपेशियों को प्रति धड़कन अधिक ऑक्सीजन पहुंचाने की क्षमता मिलती है, जो दौड़ में सफल होने के लिए महत्वपूर्ण है। इतना ही नहीं, बल्कि धीमी गति से दौड़ने से शरीर ऊर्जा के लिए संग्रहीत वसा का इस्तेमाल करता है। यह प्रक्रिया खाद्य पदार्थों से प्राप्त कार्बोहाइड्रेट संग्रह पर निर्भर रहने के विपरीत है। शरीर में एकत्र वसा का खंडित होना चयापचय की दृष्टि से कहीं अधिक कुशल प्रक्रिया है, क्योंकि वसा के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा कार्बोहाइड्रेट के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा से कहीं अधिक होती है। इसका मतलब है कि धावक कुल मिलाकर कम ऊर्जा का उपयोग करेंगे और कम थकेंगे तथा दौड़ के दिन तेजी से दौड़ने में सक्षम होंगे।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क०/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका निवासी संतोष कुमार अग्रवाल आ०/पति राधेश्याम अग्रवाल व एक अन्य जाति रामानुजगंज रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला ब्रम्ह रोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 876/4, 877/2 रकबा 330,870 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-03.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है।नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 18.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका संतोष कुमार अग्रवाल आ०/ पति राधेश्याम अग्रवाल जाति निवासी रामानुजगंज रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला ब्रम्ह रोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 879 रकबा 0.08 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-03.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है।नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 18.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

विधायक के भतीजे का महा तिलक, राजनीतिक महानायक अधिकारियों का आगमन

चित्रकूट। मऊ मानिकपुर विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी के भतीजे का महा तिलक संपन्न हुआ। चित्रकूट, प्रयागराज, कौशांबी, प्रतापगढ़ के राजनीतिक नायकों का भारी संख्या में हुआ आगमन।

मंगोलिया पहुंचे विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने की राष्ट्रपति से मुलाकात

मंगोलिया के राष्ट्रपति बोले-सबसे बड़ी दोस्ती आध्यात्मिक दोस्ती

द्विपक्षीय बैठकों में खनन, ऊर्जा और सुरक्षा पर बनी नई रणनीति

जयशंकर ने कहा कि पिछले साल राष्ट्रपति उखना की यात्रा ने हमारी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत गति दी थी। कई क्षेत्रों में हमारे मजबूत सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए उनके मार्गदर्शन का मैं बहुत महत्व देता हूं

राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना से मिले जयशंकर

एजेंसी ▶▶| उलानबाटर

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर सोमवार को मंगोलिया पहुंचे। उन्होंने मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना से मुलाकात की। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। जयशंकर ने कहा कि पिछले साल राष्ट्रपति उखना की यात्रा ने हमारी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत गति दी थी। कई क्षेत्रों में हमारे मजबूत सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए उनके मार्गदर्शन का मैं बहुत महत्व देता हूं। मैं उनसे पूरी तरह सहमत हूं कि सबसे बड़ी दोस्ती आध्यात्मिक दोस्ती होती है। बता दें, यह यात्रा 13 अक्टूबर 2025 को मंगोलियाई राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना की भारत यात्रा के दौरान जयशंकर से मुलाकात के कुछ महीनों बाद हो रही है। इस बातचीत को द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। विदेश मंत्री की यह यात्रा क्षेत्रीय सहयोग और स्थिरता को बढ़ावा देने के बीच एशिया के प्रमुख साझेदार देशों के साथ संबंधों को और मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग को दोनों देश देंगे बढ़ावा

मंगोलिया की विदेश मंत्री बैटसेटसेग बैटमुंख से मिले एस जयशंकर

भारत-मंगोलिया रिश्तों की गर्मजोशी पर जोर

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने समकक्ष बैटसेटसेग बैटमुंख के साथ मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच खनन, स्वच्छ ऊर्जा और कृषि-प्रसंस्करण में नए अवसरों को लेकर चर्चा हुई। विदेश मंत्री ने इस मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि उन्हें बैटमुंख से मिलकर खुशी हुई। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि हमारी बातचीत में हमारी रणनीतिक साझेदारी की गर्मजोशी, मजबूती और संभावनाएं साफ दिखाई दीं। हमने विकास परियोजनाओं, कौशल विकास, संस्कृति, शिक्षा, सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपने सहयोग की प्रगति की समीक्षा की।

कृषि क्षेत्र में नए अवसरों पर चर्चा

दोनों नेताओं ने खनन, स्वच्छ ऊर्जा और कृषि-प्रसंस्करण के क्षेत्रों में नए अवसरों पर भी चर्चा की। जयशंकर ने कहा कि एक तीसरे पड़ोसी और आध्यात्मिक साझेदार के रूप में भारत, मंगोलिया के साथ अपने करीबी और मैत्रीपूर्ण संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। इससे पहले, मंगोलिया के विदेश मंत्रालय के राज्य सचिव मुंकतुशिग इलखानाजव ने उनका स्वागत किया। जयशंकर ने गर्मजोशी से स्वागत के लिए राज्य सचिव मुंकतुशिग इलखानाजव को धन्यवाद। हमें आशा है हमारी खास साझेदारी और आगे बढ़ेगी।

दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंध

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत और मंगोलिया सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और लोकतांत्रिक मूल्यों में निहित घनिष्ठ संबंध साझा करते हैं। बता दें, भारत और मंगोलिया ने 24 दिसंबर 1955 को राजनयिक संबंध स्थापित किए। मंगोलिया ने अगले वर्ष नई दिल्ली में अपना दूतावास खोला जबकि भारत ने 22 फरवरी 1971 को उलानबटार में अपना रेजिडेंट मिशन खोला। भारत की पहल से राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के स्थिर विस्तार का मार्ग प्रशस्त हुआ।

बुधवार को दक्षिण कोरिया दौरे पर रहेंगे जयशंकर

मंगोलिया से जयशंकर अपनी दो-दिवसीय यात्रा के बाद बुधवार को दक्षिण कोरिया जाएंगे। जहां सियोल में वह अपने दक्षिण कोरियाई समकक्ष चो ह्यून के साथ बातचीत करेंगे। वह गुरुवार को को जेजू में जेजू फोरम फॉर पीस एंड प्रॉस्पेरिटी में मुख्य भाषण भी देंगे। बता दें कि जेजू फोरम दुनिया के मौजूदा अहम मुद्दों पर चर्चा का एक प्रमुख मंच है, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के नेता और विशेषज्ञ हिस्सा लेते हैं।

भारत-ईयू एफटीए पर मंत्री गोयल बोले

दिसंबर तक होंगे हस्ताक्षर मार्च 2027 तक होगा लागू

मदर आफ ऑल डील्स है यह समझौता

एजेंसी ▶▶| मुंबई

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच लंबे समय से प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर दिसंबर 2026 तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद है और यह फरवरी-मार्च 2027 तक लागू हो सकता है। मुंबई में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि यह समझौता भारतीय उत्पादों को यूरोपीय बाजार में व्यापक पहुंच प्रदान करेगा और कई वस्तुओं पर शुल्क में कमी आने से भारतीय निर्यात को बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि लगभग शून्य शुल्क के साथ हमारे लिए लगभग पूरा यूरोपीय बाजार खुल जाएगा। यूरोपीय संघ के साथ एफटीए दिसंबर तक हस्ताक्षरित हो जाएगा और फरवरी-मार्च तक प्रभावी हो जाएगा। भारत और 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ ने इस वर्ष 27 जनवरी को मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ताओं के सफल समापन की घोषणा की थी। पीयूष गोयल ने इस समझौते को पहले 'सभी समझौतों की जननी (मदर आफ ऑल डील्स) बताया था।

भारत की पहुंच पूरे यूरोपीय बाजार तक

भारत का 93% निर्यात शुल्क मुक्त रहेगा

प्रस्तावित समझौते के तहत भारत के लगभग 93 प्रतिशत निर्यात को यूरोपीय संघ के बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलने की संभावना है। इससे वस्त्र, इंजीनियरिंग उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स, रत्न एवं आभूषण तथा कृषि क्षेत्र सहित कई उद्योगों को लाभ होगा। गोयल ने कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत का महत्व लगातार बढ़ रहा है और दुनिया के कई देश भारत के साथ अपने आर्थिक संबंध मजबूत करने के इच्छुक हैं। गोयल ने आर्थिक विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि विकास और विरासत दोनों साथ-साथ चलने चाहिए। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी हमेशा कहते हैं कि देश को विकास भी चाहिए और अपनी विरासत भी। दुनिया का कोई भी देश अपनी संस्कृति, परंपराओं और धरोहर को संरक्षित किए बिना विकसित राष्ट्र नहीं बन पाया है।

भारत संग इस सप्ताह कई दौर की वार्ता: गोर

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बताया कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर नई दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ कई दौर की बैठकें करेंगे। गोर ने कहा कि नई दिल्ली में राजदूत ग्रीर का स्वागत करने के लिए उत्साहित हूं। अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए मंत्री पीयूष गोयल के साथ कई बैठकें निर्धारित हैं। मंत्रिस्तरीय स्तर की यह बैठक भारत और अमेरिका के बीच चल रही अंतरिम व्यापार समझौते की बातचीत का हिस्सा है। जिससे दोनों देशों के बीच भविष्य में समझौता होगा।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका संतोष कुमार अग्रवाल आ०/ पति राधेश्याम अग्रवाल जाति निवासी रामानुजगंज रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला ब्रम्ह रोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 879 रकबा 0.08 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-03.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है।नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 18.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका संतोष कुमार अग्रवाल आ०/ पति राधेश्याम अग्रवाल जाति, निवासी रामानुजगंज रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-रामानुजगंज रोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1341/2 रकबा 0.04 1/2 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है।जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-03.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 18.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

भरत तिवारी एनकाउंटर की न्यायिक जांच की मांग, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

मीरजापुरः राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा (फ.अ.ट.) ने बिहार में भरत तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ में हुई मृत्यु के मामले को गंभीर मानवाधिकार और संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा विषय बताते हुए इसकी निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग की है।संगठन ने इस संबंध में राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी मीरजापुर के माध्यम से भेजा। ज्ञापन में कहा गया है कि यदि भरत तिवारी आत्मसमर्पण की स्थिति में थे या निहत्थे होने के बावजूद उन पर गोली चलाई गई, तो यह संविधान द्वारा प्रदत्त जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार का गंभीर उल्लंघन है।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका श्रीमती सुनन्दा अग्रवाल आ०/ पति संतोष कुमार अग्रवाल जाति, निवासी रामानुजगंज रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-रामानुजगंज रोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1341/2 रकबा 0.04 1/2 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-03.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 18.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

माता खीर भवानी मंदिर पहुंची महबूबा मुफ्ती

बोलीं- पुरानी बातें भूलकर आगे बढ़ें कश्मीरी पंडितों को दी जाएं सुविधाएं

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के तुलमुल्ला में सोमवार को माता खीर भवानी मंदिर में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती पहुंची है। यहां सालाना मेले के दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना की। पीडीपी प्रमुख ने कहा कि हमारे कश्मीरी पंडित भाई-बहनों को यहां (माता खीर भवानी मंदिर) आते देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। उन्हें भविष्य की ओर देखना चाहिए और अतीत में जो हुआ उसे भूल जाना चाहिए। मेरा मानना है कि युवा कश्मीरी पंडित डॉक्टरों को कश्मीर आना चाहिए और यहां के लोगों से जुड़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर सरकार को उन्हें सुविधाएं देनी चाहिए। भाईचारा बनाए रखा जाना चाहिए। जो ताकतें कश्मीरी पंडितों की मुश्किलों का फायदा उठाना चाहती हैं, उन्हें किनारे कर देना चाहिए।

लाहौल स्पीति में बर्फबारी से खुश हुए पर्यटक

ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ठंड बढ़ी

मनाली। गर्मियों में सर्दियों का एहसास लेने के लिए कुल्लू मनाली चले आएं। यहां जून महीने में लगातार हिमपात का क्रम जारी है। रविवार देर रात से रोहतांग सहित शिकुला और बारालाचा दर्रे में रुक-रुक कर हिमपात हो रहा है। जून महीने में हिमपात से पर्यटन कारोबारियों सहित पर्यटकों के चेहरे खिल उठे हैं। पर्यटक बर्फ के फाहों में झूम रहे हैं। रोहतांग और लाहौल-स्पीति में ताजा हिमपात के कारण ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम ठंडा हो गया है। मैदानी इलाकों में भी बारिश और ठंडी हवाओं से तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। लाहौल के मशहूर पर्यटन स्थल शिकुला व बारालाचा दर्रे में रविवार रात से हिमपात हो रहा है। हालांकि सभी दर्रे वाहनों की आवाजाही के लिए बहाल है, लेकिन हिमपात होने से ठंड बढ़ गई है। शिकुला व बारालाचा दर्रे सैलानियों के स्नो प्वाइंट बने हुए हैं।

जनपद में बिना फायर एनओसी के चल रहे थे कई कोचिंग सेंटर

मिजार्पुर। लखनऊ के अलीगंज स्थित कोचिंग संस्थान में हुए दर्दनाक अग्निकांड की घटना के बाद मिजार्पुर जनपद में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। जनपद के कई कोचिंग संस्थान बिना फायर एनओसी (नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) के संचालित हो रहे थे। घटना के तुरंत बाद प्रशासन और पुलिस ने पूरे जनपद में कोचिंग संस्थानों की अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक जांच अभियान शुरू कर दिया है।सिटी मजिस्ट्रेट अविनाश कुमार और एएसपी नितीश सिंह ने भारी पुलिस बल के साथ शहर के प्रमुख कोचिंग सेंटरों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान फायर एक्सटिंग्विशर, अग्निशमन उपकरणों की वैधता, आपातकालीन निकास द्वार, विद्युत सुरक्षा व्यवस्था समेत अन्य जरूरी सुरक्षा मानकों की गहन पड़ताल की गई। अधिकारियों ने संस्थान संचालकों से फायर एनओसी की मांग की और पाया कि कई केंद्रों में यह बुनियादी दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं था।सुधार के बाद ही खुलेंगे संस्थान अधिकारियों ने स्पष्ट संदेश दिया कि जिन संस्थानों में अग्निशमन सुरक्षा मानकों की कमी पाई जाएगी, उन्हें तुरंत सुधार करने के निर्देश दिए जाएंगे। फायर एनओसी प्राप्त करने और सभी मानकों को पूरा करने के बाद ही कोचिंग संस्थानों को नियमित संचालन की अनुमति दी जाएगी।

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम - महुली प.ह.न. 17
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नीलेश पैकरा पिता स्व. बुधु राम जाति कवंर निवासी ग्राम महुली प.ह.न. 17 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र / पुत्री माता बालकुंवर पैकरा जन्म, मृत्यु दिनांक 05/07/2011 को ग्राम महुली में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने माता बाल कुंवर पैकरा का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत महुली को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके सबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक..08/07/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 23/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

तहसील एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका पूनम ठाकुर आ०/पत्ति ब्रम्हदेव ठाकुर जाति, निवासी सत्तीपारा, अम्बिकापुर, तहर अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-सत्तीपारा, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 634/1 रकबा 0.01 3/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-03.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 18.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क०/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका विपेश जायसवाल आ०/पति उत्तम चन्द्र जायसवाल जाति निवासी स्कूल रोड़ अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-रामानुजगंज रोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1798/1, 1799/1, 1801/4836/12, 1801/4836/63, 1800/2, 1800/3, 1800/4 रकबा 0.07, 0.03, 0.04, 0.01 1/2, 0.03, 0.02, 0.00 1/2 भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03. 2026 को समाप्त हो गई है।जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-06.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है।नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 22.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

कार्यालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ०ग)
ईश्तहार
कोड.क्र/ब-121/2020

आवेदक श्री कल्लू प्रसाद मिश्रा पिता बद्री प्रसाद मिश्रा जाति ब्राहमण निवासी ग्राम- गदेलपारा, बैकुण्ठपुर थाना एवं तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ०ग०) के द्वारा आवेदन पत्र पेश किया है कि पोन्द्र सरकार के अन्तर्गत लोक पदों एवं सेवाओं में नियुक्ति हेतु शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश प्रापा करने हेतु आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आध एवं सम्पत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु अपने पुत्र शिवम शुमार मिश्रा के लिए आवेदन पत्र प्रारूप पेश किया है। आवेदक ने आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड अंकसूची, निवास, आय प्रमाण पत्र राशन कार्ड की छायाप्रति संलग्न कर पेश किया है। उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 30/06/2026 तक स्वयं या अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभावक के द्वारा इस न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत कार सकते है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार विमर्श नहीं किया जावेगा।

तहसीलदार
बैकुण्ठपुर जिला कोरिया

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण अखिलेश कुमार सोनी आ० सुरेश प्रसाद सोनी, रत्ना सोनी पति अखिलेश कुमार सोनी, उम्र 39 वर्ष, जाति सोनार, निवासी स्कूल रोड़ अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण के द्वारा अनावेदकगण दयाराम पोपटानी, जियल दास पोपटानी आ.स्व. सोमन दास पोपटानी के संयुक्त स्वामित्व व अधिवपत्य की नगर अ०पुर, मोहल्ला केदारपुर, शीट नं. 03 स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 1166/4, 1166/8 रकबा क्रमशः 0.01, 0.02 एकड़ भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 01.06.2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदकगण द्वारा आवेदित भूखण्ड का नामांतरण स्वयं के नाम से किये जाने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 06/07/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा / अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 22/06/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका संजय श्रीवास्तव आ०/पति स्व० राधिका रमण श्रीवास्तव जाति निवासी सत्तीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-सत्तीपारा, शीट नम्बर-2, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 698/2, 698/3,700/3 रकबा 0.0 3/4, (328) 0.04, (157.50) एवं 0.07(283.29) एकड भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। । जिस जिस कारण कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा, आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक - 03.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः- 18.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

कृषि विभाग की सलाह धान के साथ दलहन-तिलहन लगाएं, मिलेंगे 15 हजार प्रोत्साहन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिले में इस वर्ष एल-नीनो प्रभाव के कारण सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों को वैकल्पिक फसलों की खेती अपनाने की सलाह दी है। उप संचालक कृषि, जशपुर ने किसानों से अपील करते हुए कहा है कि वे विशेष रूप से टिकरा (अपलैंड) भूमि में धान के स्थान पर दलहन एवं तिलहन फसलों की खेती कर जोखिम को कम करें तथा बेहतर आय अर्जित करें। कृषि विभाग के अनुसार कम वर्षा की संभावित परिस्थितियों में अरहर, मूंग, उड़द, कोदो, कुटकी, रागी, मूंगफली, तिल, रामतिल एवं कुल्थी जैसी फसलें किसानों के लिए अधिक लाभकारी सिद्ध हो सकती हैं। ये फसलें कम पानी में भी अच्छी पैदावार देती हैं तथा प्रतिकूल मौसम की स्थिति में भी उत्पादन पर अपेक्षाकृत कम प्रभाव पड़ता है।

प्रति एकड़ मिलेगा 15 हजार रुपये का प्रोत्साहन

कृषि विभाग ने बताया कि टिकरा भूमि में धान के स्थान पर दलहन एवं तिलहन फसलों की खेती करने वाले किसानों को शासन द्वारा 15,000 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। इसके अलावा इन फसलों की खरीदी प्रधानमंत्री आशा योजना के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर भी की जाती है, जिससे किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त होता है।

धान की तुलना में अधिक लाभकारी हैं वैकल्पिक फसलें

विशेषज्ञों के अनुसार दलहन एवं तिलहन फसलें न केवल कम लागत में बेहतर उत्पादन देती हैं, बल्कि मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ाने में भी सहायक होती हैं। इन फसलों से भूमि में नाइट्रोजन की मात्रा बढ़ती है, जिससे आगामी फसलों को भी लाभ मिलता है। साथ ही इनका बाजार मूल्य अच्छा होने से किसानों को अतिरिक्त आर्थिक लाभ प्राप्त होता है। कृषि विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि मध्यम भूमि वाले क्षेत्रों में भी संभावित कम वर्षा को ध्यान में रखते हुए कम अवधि में तैयार होने वाली धान किस्मों का चयन करें। इससे फसल जोखिम कम होगा और उत्पादन की संभावना बेहतर बनी रहेगी। उप संचालक कृषि, जशपुर ने किसानों से अपील की है कि वे मौसम की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक सलाह के अनुसार फसल चयन करें

कोचिंग सेंटरों का इंस्पेक्शन, ओवरक्राउडिंग मिली, 1 हफ्ते में सुधार नहीं तो कार्रवाई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। नगर निगम की संयुक्त टीम ने शहर के प्रमुख कोचिंग संस्थानों में अग्नि सुरक्षा और लिफ्ट सुरक्षा मानकों की जांच की। निरीक्षण के दौरान कई संस्थानों में निर्धारित क्षमता से अधिक छात्रों के बैठने, वेंटिलेशन की अपर्याप्त व्यवस्था और फायर सेफ्टी से जुड़ी कई खामियां सामने आईं। जांच के दौरान टीम ने एलन, अनअकादमी, विद्यापीठ, आरसीसी और अकादजा कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया। एलन, अनअकादमी और विद्यापीठ की कुछ कक्षाओं में निर्धारित क्षमता

से अधिक स्टूडेंट्स के बैठने की व्यवस्था पाई गई। इसके अलावा वेंटिलेशन संबंधी कमियां भी सामने आईं। हालांकि, अन्य सुरक्षा मानक और व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं।

फायर सेफ्टी, वेंटिलेशन में खामियां

जांच के दौरान आरसीसी और अकादजा कोचिंग संस्थानों में फायर सेफ्टी नियमों के पालन, वेंटिलेशन व्यवस्था, प्रवेश-निकास मार्ग और अन्य सुरक्षा मानकों से जुड़ी कई खामियां पाई गईं। अधिकारियों ने संबंधित संचालकों को एक सप्ताह के भीतर सभी कमियों को दूर कर आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए हैं। नगर निगम ने संबंधित जोनों को नियमानुसार नोटिस जारी कर अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। संस्थानों के संचालकों को स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर कमियां दूर नहीं करने पर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। यह निरीक्षण अभियान जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के मार्गदर्शन में चलाया गया। अभियान का उद्देश्य कोचिंग संस्थानों में शासन के सुरक्षा संबंधी दिशा-निदेर्शों के पालन की समीक्षा करना था।

2 से 4 जुलाई तक राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य रहेंगी जशपुर प्रवास पर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा 02 जुलाई से 04 जुलाई तक जशपुर जिले के शासकीय प्रवास पर रहेंगी। इस दौरान वे अनुसूचित जनजातियों के लिए लागू संवैधानिक सुरक्षा उपायों, कल्याण एवं विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगी। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भारत सरकार के छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला स्तरीय विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक 03 जुलाई को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा अनुसूचित जनजातियों के हित में संचालित योजनाओं, कार्यक्रमों एवं संवैधानिक प्रावधानों के पालन की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की जाएगी।

कोटा के मिटीहिनिया में आवास, बिजली और पेयजल की मांग को लेकर ग्रामीण महिलाओं का प्रदर्शन

डाला/सोनभद्र। विकासखंड चोपन अंतर्गत ग्राम पंचायत कोटा के टोला मिटीहिनिया में मंगलवार को ग्रामीण महिलाओं ने आवास, बिजली एवं पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व युवा समाजसेवी दीपू विजय शर्मा ने किया।

27 जून को संभाग स्तरीय रोजगार मेला अम्बिकापुर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। सरगुजा जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए खुशखबरी है। संभाग स्तरीय रोजगार मेला 27 जून 2026 को राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल अम्बिकापुर में आयोजित किया गया है। उक्त मेले में 11 से अधिक निजी कंपनियों के नियोजक उपस्थित रहेंगे जो 1951 से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती करेंगे। इस मेले में क्वालिटी सर्विस, वेदांत स्किल, श्रमिन टैलेंट प्राइवेट लिमिटेड, आश्रव फाउंडेशन, सेफ इंटेलिजेंस सिक्योरिटी सर्विसेज, एस बी आई लाइफ इंश्योरेन्स, लाइफ इंश्योरेन्स कारपोरेशन ऑफ इंडिया अम्बिकापुर सरगुजा, या देवी एसोसिएट्स, यूनिक सलूशन प्राइवेट लिमिटेड, वी सी इंस्टिट्यूट और टी वी एस कंपनी सुजुकी मोटर गुजरात प्राइवेट लिमिटेड जैसी प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल होंगी। इन कंपनियों में क्वालिटी इंस्पेक्टर, होटल मेनेजमैंट, फीटर, सोलर सिस्टम इटोलेशन, इलेक्ट्रिक मीटर टेक्नीशियन, सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाइजर, एच आर एग्जीक्यूटिव, केयर टेकर, हाउस किपिंग स्टाफ, वेबी सीस्टर, मार्केटिंग मैनेजर, ट्रेनिंग ऑफिसर, लेबर, लाइफ मित्र, डेवलपमेंट ऑफिसर, सेल्स मैनेजर, बीमा सखी, इंश्योरेंस एडवाइजर, डेटा एंट्री ऑपरेटर, सर्वेयर, टेली कॉलर, सेल्स मेनेजर, टीम मैनेजर, बिजनेश एसोसिएटर, इलेक्ट्रिशियन, काउंसलर,

ऑफिस असिस्टेंट, ट्रेनी प्रोडक्शन और ऑपरेटर जैसे पदों पर भर्ती की जाएगी। योग्यता के अनुसार 8वीं पास, 10वीं पास, 12वीं पास, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, आई टी आई, डिप्लोमा और यहां तक कि अनपढ़ अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं।

वेतन पद और योग्यता के अनुसार 6500 रुपये से लेकर 35800 रुपये प्रतिमाह तक निर्धारित किया गया है। सबसे अधिक पद सिक्योरिटी गार्ड, इलेक्ट्रिक मीटर टेक्नीशियन और इलेक्ट्रिशियन के लिए उपलब्ध हैं। एस बी आई लाइफ के डेवलपमेंट ऑफिसर पद पर 20000 से 25000 रुपये तक वेतन मिलेगा। जबकि टी वी एस सुजुकी के ऑपरेटर पद पर डिप्लोमा योग्यता वालों को 21033 रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा। इच्छुक युवा और युवतियां इस मेले में शामिल होने के लिए अपना ऑनलाइन पंजीयन अवश्य करा लें। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी अपने जिले के रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। इस मेले का पंचायत और नगरीय निकाय स्तर पर सचिव एवं सरपंच, महापौर, पार्षद तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से अधिकाधिक प्रचार प्रसार कराने का कष्ट करें। जिससे अधिक से अधिक बेरोजगार युवा युवती इस मेले में शामिल होकर रोजगार के अवसर का लाभ ले सकें। सभी सी ई ओ जनपद सीईओ से अनुरोध किया गया है कि उक्त मेले की जानकारी अधिक से अधिक लोगों को देवें।

वीरांगना रानी दुर्गावती का शौर्य और बलिदान राष्ट्र की प्रेरणा का अमर स्रोत : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित केनाल लिंकिंग रोड पर वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री साय ने कहा कि रानी दुर्गावती का अदम्य साहस, पराक्रम और बलिदान भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है। उनका जीवन राष्ट्रप्रेम, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति अटूट समर्पण का सर्वोच्च उदाहरण है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि रानी दुर्गावती का शौर्य और त्याग आज भी करोड़ों लोगों के

लिए प्रेरणा का प्रकाश स्तंभ है। उनकी गौरवगाथा हमें विपरीत परिस्थितियों में भी साहस, आत्मविश्वास और कर्तव्यनिष्ठा के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि समाज द्वारा अपने महान नायकों और गौरवशाली इतिहास का स्मरण करना अत्यंत आवश्यक है। जो समाज अपने इतिहास और विरासत को विस्मृत कर देता है, उसका भविष्य भी संकटग्रस्त हो जाता है, जबकि जो समाज अपने महापुरुषों को कृतज्ञता और सम्मान के साथ याद रखता है, उसका भविष्य सदैव उज्ज्वल होता है। मुख्यमंत्री ने रानी दुर्गावती के जीवन प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने मुगल साम्राज्य की विशाल सेना के सामने अद्वितीय वीरता का परिचय दिया। अंतिम क्षण तक संघर्ष करते हुए उन्होंने मातृभूमि की रक्षा और स्वाभिमान की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी तथा वीरगति को प्राप्त हुईं। उनका बलिदान भारतीय इतिहास में साहस और स्वाभिमान के अप्रतिम अध्याय के रूप में सदैव स्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास भी, विरासत भी के मंत्र पर आगे बढ़ रहा है। विकास की यात्रा तभी सार्थक होती है, जब हम अपनी सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक चेतना और महान विभूतियों के योगदान को भी समान रूप से संरक्षित करें। रानी दुर्गावती ने जिस राष्ट्रचेतना, स्वाभिमान और संघर्ष की भावना का संचार किया, वह आज भी समाज को दिशा प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती का जीवन केवल इतिहास का विषय नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर हमें विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को और अधिक दृढ़ता के साथ आगे बढ़ाना चाहिए। इस अवसर पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप, विधायक पुरंदर मिश्रा, विधायक भूलन सिंह मरावी, डॉ. नंदकुमार साय, रायपुर नगर निगम महापौर श्रीमती मीनल चौबे, छत्तीसगढ़ औषधीय पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम, छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष श्री रूप सिंह मंडावी सहित जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

आधुनिक जीवन में निर्जला व्रत की प्रासंगिकता, संयम ही सच्ची विजय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सनातन परंपरा में वर्ष भर की 24 एकादशियों में ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की निर्जला एकादशी को सर्वोपरि माना गया है। इसे भीमसेनी एकादशी भी कहते हैं। इस दिन श्रद्धालु अन्न और जल दोनों का त्याग कर भगवान विष्णु की आराधना करते हैं। मान्यता है कि इस एक व्रत से वर्ष भर की सभी एकादशियों के समान पुण्य मिलता है।

व्रत का सार आत्मसंयम का अभ्यास

निर्जला एकादशी सिर्फ उपवास नहीं, मन-इंद्रियों को अनुशासित करने का अभ्यास है। अन्न-जल त्याग कर व्यक्ति भीतर की शक्ति पहचानता है। भारतीय दर्शन मानता है कि अनियंत्रित इच्छाएं ही समस्याओं की जड़ हैं। यह पर्व सिखाता है - आत्मविजय ही सबसे बड़ी विजय है। भोगवाद-उपभोक्तावाद के युग में इसका संदेश और प्रासंगिक है।

भीमसेनी कथा से प्रेरणा

महाभारत काल में भीमसेन अपनी भूख के कारण सभी एकादशी व्रत नहीं रख पाते थे। महर्षि वेदव्यास ने उन्हें सलाह दी कि ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी का निर्जल व्रत कर लें, इससे पूरे साल का फल मिल जाएगा। भीम ने तप करके इसे निभाया। तब से यह भीमसेनी/पांडव निर्जला एकादशी कहलाई। संदेशः ईश्वर बाहरी दिखावा नहीं, निष्ठा-समर्पण देखते हैं। दान-सेवा का महत्वज्येष्ठ की भीषण गर्मी में जल, शरबत, छाता, पंखा, अन्न का दान महादान माना गया है। प्यासे को जल पिलाना ईश्वर सेवा है। यही निर्जला एकादशी का सामाजिक संदेश है - सेवा ही साधना है।

स्वास्थ्य का ध्यान

विज्ञान भी मानता है कि सीमित उपवास पाचन और एकाग्रता के लिए अच्छा है।

25 जून को काला दिवस मनाएगी भाजपा, रायपुर में हुई रणनीति बैठक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में बुधवार को भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक चल रही है। जिसमें संगठन और सरकार से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बीजेपी 25 जून को काला दिवस मनाएगी। इस बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी और डॉ. नवीन मार्कंडेय समेत प्रदेश स्तर के पदाधिकारी मौजूद रहे।

हर महीने आयोजित की जाती है बैठक- किरण

मीडिया से चर्चा करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने बताया कि प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक हर महीने आयोजित की जाती है। इसमें

पिछले कार्यक्रमों की समीक्षा की जाती है और आने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की जाती है। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य प्रांत स्तर पर तय कार्यक्रमों को जिला, मंडल और शक्ति केंद्र स्तर तक प्रभावी ढंग से लागू करना है। भाजपा का संगठन सालभर सक्रिय रहता है और लगातार विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए कार्यकताओं से जुड़ा रहता है।

25 जून को काला दिवस मनाएगी भाजपा

किरण सिंह देव ने बताया कि 25 जून को आपातकाल दिवस को भाजपा पूरे प्रदेश में ₹काला दिवस₹ के रूप में मनाएगी। इस दौरान मशाल जुलूस, रैलियां और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को यह बताना जरूरी है कि आपातकाल के दौरान किस तरह लोकतांत्रिक अधिकारों पर अंकुश लगाया गया था और विपक्षी नेताओं को जेल में डाला गया था। बैठक के दौरान आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार और बूथ स्तर तक पार्टी की गतिविधियों को मजबूत करने पर भी चर्चा की गई।

किसानों को बड़ी राहत, सहकारी समितियों में रियायती खाद-बीज-ऋण, सरकार बनी ताकत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किसानों को खेती-किसानी के लिए आवश्यक संसाधन समय पर उपलब्ध कराने की दिशा में जशपुर जिले में प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। जिले में खाद एवं बीज वितरण का कार्य सुचारू रूप से जारी है, जिससे किसानों को कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध हो रहे हैं। इसका सीधा लाभ किसानों को मिल रहा है और उनकी खेती की लागत में कमी आने के साथ आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो रही है। जिले की सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को शासन द्वारा निर्धारित रियायती दरों पर खाद उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान में प्रति बोरी यूरिया 266.50 रुपये, डीएपी 1350 रुपये, सुपर फॉस्फेट

पाउडर 551 रुपये, सुपर फॉस्फेट दानेदार 591 रुपये, जिंकेटेड सुपर फॉस्फेट 576 रुपये, टीएसपी 1300 रुपये, एनपीके 1850 से 1990 रुपये, पोटाश 1975 रुपये, नैनो यूरिया 500 एमएल प्रति बोतल 225 रुपए तथा नैनो डीएपी 600 रुपए की निर्धारित दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। जशपुर के महाराजा चौक स्थित सहकारी समिति सहित जिले की विभिन्न समितियों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में किसान खाद एवं बीज लेने पहुंच रहे हैं। किसानों का कहना है कि शासन की इस व्यवस्था से उन्हें खेती के लिए आवश्यक सामग्री आसानी से उपलब्ध हो रही है और बाजार पर निर्भरता भी कम हुई है।

किसानों ने जताया संतोष -

खाद लेने पहुंचे किसान रहमान साह ने बताया कि शासन की इस व्यवस्था से उन्हें खेती में काफी सुविधा मिल रही है। पहले कृषि कार्यों के लिए अतिरिक्त खर्च करना पड़ता था, लेकिन अब उचित दर पर खाद मिलने से आर्थिक बोझ कम हुआ है। उन्होंने कहा कि खेती के लिए अब उन्हें ऋण या ब्याज पर पैसे लेने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। इसी प्रकार सारूडीह के किसान गिरधारी यादव ने बताया कि पहले खाद, बीज और अन्य कृषि सामग्री के लिए विभिन्न दुकानों के चक्कर लगाने पड़ते थे तथा अधिक कीमत चुकानी पड़ती थी। अब सहकारी समितियों के माध्यम से आवश्यक सामग्री आसानी से और उचित मूल्य पर उपलब्ध हो रही है। इससे खेती की लागत कम हुई है और किसानों को आर्थिक राहत मिली है।

किसानों की सुविधा शासन की प्राथमिकता

जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा किसानों को समय पर खाद-बीज उपलब्ध कराने के साथ-साथ कृषि ऋण, तकनीकी मार्गदर्शन एवं अन्य योजनाओं का लाभ भी दिलाया जा रहा है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर श्री चेतन बोरघरिया एवं विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में स्थित स्ट्रांग रूम का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निर्वाचन आयोग से प्राप्त निर्देशानुसार प्रत्येक तीन माह में स्ट्रांग रूम में रखे गए निर्वाचन सामग्रियों तथा ई.व्ही.एम. मशीनों का सत्यापन राजनैतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ किया जाता है। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनप्रतिनिधियों को सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि स्ट्रांग रूम में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराई गई है। स्ट्रांग रूम निरीक्षण में उपस्थित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा निरीक्षण तिथि का उल्लेख करते हुए पंजी का संधारण किया गया तथा निरीक्षण के पश्चात स्ट्रांग रूम को पुनः सीलबंद किया गया। इस अवसर पर विभिन्न राजनीतिक दलों के अधिकृत प्रतिनिधि, निर्वाचन शाखा के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

खाद्य विभाग की समीक्षा कर कलेक्टर ने योजनाओं की प्रगति का लिया जायजा

राशन वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने पर दिया जोर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की अध्यक्षता में बुधवार को खाद्य व उसके सम्बद्ध विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, जिला खाद्य अधिकारी संदीप भगत, जिला विपणन, नागरिक आपूर्ति निगम तथा सहकारी समिति के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने जिले में राशन कार्ड धारकों के ई-केवाईसी, पीडीएस राशन वितरण, खाद्यान्न भंडारण, आधार सीडिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन समीक्षा की। उन्होंने ई-केवाईसी कार्य अंतर्गत संबंधितो को प्रगति लाने एवं शत-प्रतिशत ई-केवाईसी सुनिश्चित हो इस हेतु कलेंडर आधारित कार्ययोजना बना कर कार्य करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने खाद्यान्न वितरण की स्थिति, धान

उठाव एवं चावल जमा की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर ने बैठक में भण्डारण व्यवस्था, उचित मूल्य दुकानों के भौतिक सत्यापन एवं उन पर की गई कार्यवाही की भी समीक्षा की। उन्होंने खाद्य अधिकारी एवं खाद्य निरीक्षकों को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से दुकानों का निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें, ताकि वितरण व्यवस्था में किसी प्रकार की अनियमितता न हो।

बैठक में जिले में संचालित उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण की स्थिति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी पात्र हितग्राहियों की ई-केवाईसी कार्यवाही शीघ्र पूर्ण की जाए, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति खाद्यान्न वितरण से वंचित न रह सके।कलेक्टर ने कहा कि राशन वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ऑनलाइन ट्रांजेक्शन, ई-पॉस मशीनों का नियमित उपयोग, वितरण की रीयल टाइम मॉनिटरिंग तथा शिकायत निवारण तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुदृढ़ एवं जवाबदेह बनाए रखने हेतु सतत् प्रयास किए जाएं।

शिक्षा के साथ आवश्यक है पर्यावरण संरक्षण : पोया

0 श्रद्धा एवं उत्साह से मना वीरांगना महारानी दुर्गावती का 463वां बलिदान दिवस 0 सम्मानित किए गए प्रतिभावान बच्चे

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के ग्राम मानी पोड़ी में बुधवार को गोंडवाना साम्राज्य की वीरांगना महारानी दुर्गावती का 463वां बलिदान दिवस श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भूमका पुजारी चंदेश्वर सिंह श्याम एवं बैगा द्वारा पेनठाना में प्रकृति शक्ति एवं ग्राम देवी-देवताओं के स्मरण के साथ किया गया। इसके पश्चात सतरंगी ध्वज फहराकर अतिथियों का पारंपरिक स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. कुसुम सिंह परस्ते प्रदेश अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ गोंड कर्मचारी कल्याण परिषद ने गोंडवाना के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए पारंपरिक संस्कृति एवं त्योहारों के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बीपीएस पोया जिला अध्यक्ष, सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग ने कहा कि शिक्षा

के साथ पर्यावरण संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पेसा कानून, ग्राम सभा एवं सामुदायिक संसाधन अधिकारों के महत्व पर जोर देते हुए प्रकृति संतुलन बनाए रखने में समाज की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। साथ ही पुरखों के इतिहास एवं संस्कृति के संरक्षण के लिए प्रत्येक गांव में 'गोटूल' स्थापित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर ताइक्वांडो में गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाली इशिका सिंह आयाम, कक्षा 12वीं में 85 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली सुमन सिंह पोर्ते एवं कक्षा 10वीं में 84 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले ज्योतिष सिंह पोर्ते सहित अन्य प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, पेन एवं कॉपी देकर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। कार्यक्रम का संचालन उपसरपंच बोधन सिंह पोर्ते ने किया। इस दौरान रिझन सिंह उरेती संरक्षक, गोंडवाना गोंड महासभा, जगदीश पोर्ते, रविशंकर टेकाम, मोतीलाल आयाम सचिव, महारानी दुर्गावती सेवा समिति, हितेंद्र सिंह मरकाम सरपंच, जोबगा, चैन सिंह मरावी, सुभाष सिंह पोर्ते, कैलाश नेताम, अजय सिंह पोर्ते, प्रीति स्वपना एक्का, प्रियदर्शिनी पूर्णिमा खलखो, चंद्रमणी सिंह, विमला सिंह उर्रे, सुमारसाय, टिवंकल मरावी, रामजीत, सुशीला पोर्ते एवं सुशीला कुर्रे सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आयोजन महारानी दुर्गावती सेवा समिति मानी पोड़ी, छत्तीसगढ़ गोंड कर्मचारी कल्याण परिषद एवं छत्तीसगढ़ गोंडवाना गोंड महासभा के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

पंजीकृत श्रमिकों के जागरूकता हेतु रामानुजनगर में सम्मेलन आज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पंजीयन एवं संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी श्रमिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में आज गुरुवार की श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया है। यह सम्मेलन प्रातः 11 बजे जनपद पंचायत रामानुजनगर के सामुदायिक भवन में आयोजित होगा।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को मंडल द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करना, उनमें जागरूकता बढ़ाना तथा अधिक से अधिक श्रमिकों को इन योजनाओं का लाभ दिलाना है। सम्मेलन के माध्यम से श्रमिकों को पंजीयन प्रक्रिया, हितलाभ योजनाओं तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी, जिससे अधिकाधिक श्रमिक इन योजनाओं का समुचित लाभ प्राप्त कर सकें। जिला प्रशासन द्वारा क्षेत्र के समस्त पंजीकृत निर्माण श्रमिकों से अपील की गई है कि वे इस सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर मंडल की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर लाभ उठाने का आग्रह किया है।

कल्पना की दृढ़ इच्छाशक्ति को मिला प्रशासन का साथ, उच्च शिक्षा का मार्ग हुआ प्रशस्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सपनों को साकार करने के लिए परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयास मायने रखते हैं। इस बात को जिले के दूरस्थ वनांचल एवं पहाड़ी क्षेत्र चांदनी-बिहारपुर के ग्राम खासपारा की मेधावी छात्रा कुमारी कल्पना गुप्ता ने सच कर दिखाया है। सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षा के प्रति उनकी लगन और बेहतर भविष्य गढ़ने का संकल्प उन्हें निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहा है। कल्पना कक्षा सातवीं से बिहारपुर स्थित शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में अध्ययनरत रहीं। उन्होंने माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षा में 80 प्रतिशत अंक अर्जित कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की। उनका लक्ष्य संघ लोक सेवा आयोग यूपीएससी की परीक्षा उत्तीर्ण कर भारतीय प्रशासनिक सेवा में अधिकारी बनना है, जिसके लिए वे कला संकाय से आगे की पढ़ाई जारी रखना चाहती थीं। किंतु उनके अध्ययनरत विद्यालय में कला संकाय उपलब्ध न होने के

कारण उनके समक्ष बाधा उत्पन्न हो गई थी। अपने सपनों को अधूरा छोड़ने के बजाय कुमारी कल्पना ने समाधान का मार्ग चुना। उन्होंने जनशिकायत के माध्यम से अपनी समस्या जिला प्रशासन तक पहुँचाई। छात्रा की शैक्षणिक आकांक्षाओं एवं विषम परिस्थितियों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने तत्काल संज्ञान लिया और जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश पर शिक्षा विभाग द्वारा छात्रा का प्रवेश जिला मुख्यालय स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कराया गया है। वहीं उसके रहने की व्यवस्था कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के छात्रावास में की गई है। साथ ही उनके लिए छात्रावास में रहने की समुचित व्यवस्था भी की गई, जिससे उनकी आगे की पढ़ाई का मार्ग प्रशस्त हो सका। उच्च शिक्षा के लिए अनुकूल वातावरण एवं आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध होने पर कल्पना ने जिला प्रशासन के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। यह प्रकरण इस बात का प्रमाण है कि संवेदनशील एवं सुलभ प्रशासन किस प्रकार ज़मीनी स्तर पर एक विद्यार्थी के सपनों को नई उड़ान दे सकता है।

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०प्र०क्र० / 20(1) / 2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका श्रीकात अग्रवाल आ० / पति संतोष कुमार अग्रवाल व 01 अन्य जाति निवासी रामानुजगंज रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला ब्रम्ह रोड़, शीट नम्बर–3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 876 / 3 रकबा 1595 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदकध्आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 03.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांक 18.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०प्र०क्र० / 20(1) / 2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका श्रीमती बतीता अग्रवाल आ० / पति श्रीकांत अग्रवाल जाति, निवासी रामानुजगंज रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला–रामानुजगंज रोड़, शीट नम्बर–3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1341 / 1 रकबा 0.04½ एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 03.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांक 18.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०प्र०क्र० / 20(1) / 2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका श्रीमती सुनन्दा अग्रवाल आ० / पति संतोष कुमार अग्रवाल जाति, निवासी रामानुजगंज रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला ब्रम्ह रोड़, शीट नम्बर–3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 875 / 1 रकबा 0.01¾ एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 03.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांक 18.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०प्र०क्र० / 20(1) / 2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका श्रीमती सुनन्दा अग्रवाल आ० / पति संतोष कुमार अग्रवाल जाति निवासी रामानुजग. ज रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला ब्रम्ह रोड़, शीट नम्बर–3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 875 / 4 रकबा 0.02¾ एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 03.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांक 18.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार राजपुर,
जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.)
रा०प्र०क० ब–121 / 2025–26
ग्राम – उधवाकठरा
तहसील राजपुर

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण आम जनता उधवाकठरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमति अमरिता किन्डो पति राजेश किन्डो जाति उराव निवासी ग्राम उधवाकटरा थाना राजपुर तहसील राजपुर जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज (छ०ग०) द्वारा अपनी ननद स्व. निर्मला लकड़ा पति फिलीप लकड़ा का मृत्यु दिनाँक 06.11.2019 का मृत्यु को हुआ है। किन्तु मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र पेश है। जो न्यायालय में मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु विचाराधीन है। आवेदक के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से पेशी तिथि 13 / 07 / 2026 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24 / 06 / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
राजपुर, जिला–बलरामपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०प्र०क्र० / 20(1) / 2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका श्रीमती सुनन्दा अग्रवाल आ० / पति संतोष कुमार अग्रवाल जाति, निवासी रामानुजगंज रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला–रामानुजगंज रोड़, शीट नम्बर–3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 878 रकबा 0.04 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 03.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 18.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०प्र०क्र० / 20(1) / 2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका श्रीमती बबीता रीता अग्रवाल आ० / पति श्रीकांत अग्रवाल जाति निवासी रामानुजगंज रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला ब्रम्ह रोड़, शीट नम्बर–3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 875 / 2 रकबा 0.01¾ एकड भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदकध्आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 03.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांक 18.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

क्रमांक / 2434 / स्टोर / 2026 — अम्बिकापुर दिनांक 19 / 06 / 26

ई-प्रोक्यूरमेंट सिस्टम निविदा आमंत्रण सूचना

राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग) की ओर से वाहन स्टैण्ड संचालन के निविदा हेतु फर्मों / अभिकरणों से राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.) में वाहन स्टैण्ड संचालन हेतु ऑनलाईन निविदा निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी हेतु वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in में देखा जा सकता है।

क्र.	निविदा का नाम	सी.जी.ई. प्रोक्यो निविदा क्रमांक	ऑनलाईन जमा करने की प्रारंभिक तिथि एवं समय	ऑनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	भौतिक रूप से जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	निविदा खुलने की तिथि एवं समय
1	शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सबद्ध चिकित्सालय, अम्बिकापुर में वाहन स्टैण्ड का संचालन।	193826	24.06.2026 10:00 AM	09.07.2026 02:00 PM	09.07.2026 03:00 PM	09.07.2026 04:00 PM

स्थान :– कार्यालय, संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक, राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय, अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ.ग.)

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव,
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय
अम्बिकापुर सरगुजा (छ०ग०)

जी–262701662 / 1

अब ओटीपी से नहीं, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण से होगा खाद्यान्न वितरण

अनिवार्य है 15 जुलाई तक ई-केवाईसी कराना

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पीडीएस के अंतर्गत राशन प्राप्त करने वाले हितग्राहियों के लिए ई-केवाईसी कराना अनिवार्य कर दिया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि 15 जुलाई तक ई-केवाईसी पूर्ण नहीं कराने वाले हितग्राहियों को भविष्य में राशन प्राप्त करने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। खाद्य विभाग की संचालक फारिहा आलम द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार जिले में शेष हितग्राहियों की ई-केवाईसी प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा तक पूर्ण कराई जानी है। इसके बाद ई-केवाईसी पूर्णता का प्रमाण-पत्र संचालनालय को भेजा जाएगा। विभाग ने राशन वितरण में ओटीपी आधारित सत्यापन पर रोक लगा दी है। अब सभी उचित मूल्य दुकानों में ई-पॉस मशीन के माध्यम से बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के बाद ही खाद्यान्न का वितरण किया जाएगा। हितग्राहियों को राशन प्राप्त करने के लिए मशीन में अंगूठे का निशान देकर अपनी पहचान प्रमाणित करनी होगी।

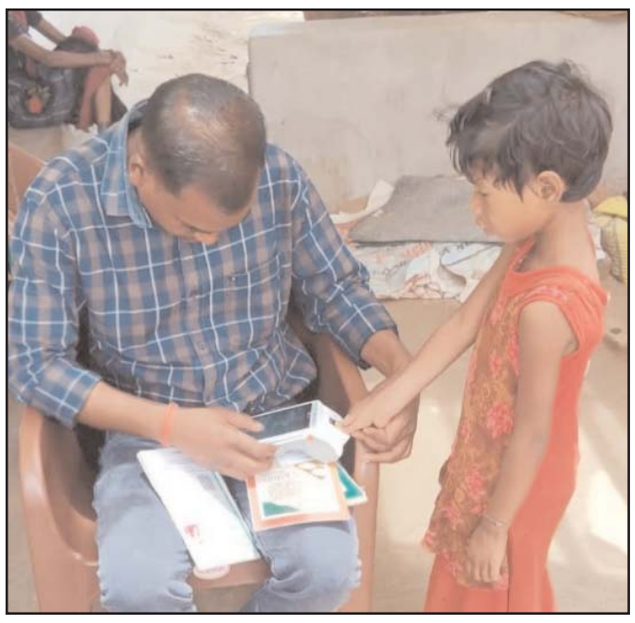

जिले के 92 प्रतिशत हितग्राहियों का हो चुका है ई-केवाईसी

खाद्य विभाग के अनुसार जिले में कुल 2,52,169 राशन कार्डधारी परिवार हैं। इनमें 60,378 अंत्योदय, 1,75,280 प्राथमिकता, 640 निराश्रित, 662 निःशक्तजन तथा 15,209 सामान्य राशन कार्डधारी शामिल हैं। इन राशन कार्डों से जुड़े कुल 7,96,576 हितग्राहियों में से लगभग 7,31,604 हितग्राहियों का ई-केवाईसी पूर्ण हो चुका है, जो कुल हितग्राहियों का लगभग 91.84 प्रतिशत है। इसके बावजूद अभी भी 39,733 हितग्राहियों का ई-केवाईसी लंबित है। जिले में 05 वर्ष से अधिक आयु के कुल 39,733 हितग्राहियों का मालब लंबित हैं। इनमें ग्रामीण क्षेत्र में सर्वाधिक 9,472 ई-केवाईसी लंबित हैं। इसके अलावा प्रतापपुर ग्रामीण में 8,021, रामानुजनगर ग्रामीण में 5,881, भैयाथान ग्रामीण में 4,859, ओड़गी ग्रामीण में 4,331 तथा प्रेमनगर ग्रामीण में 3,138 प्रकरण लंबित हैं। इसके अलावा शहरी क्षेत्रों में सूरजपुर नगर में 1,092, विश्रामपुर में 796, जरही में 559, प्रतापपुर में 512, शिवनंदनपुर में 505, भटगांव में 350 तथा प्रेमनगर नगर में 217 सदस्यों के ई केवाईसी लंबित हैं। जिला खाद्य अधिकारी संदीप भगत ने बताया कि ई-केवाईसी के माध्यम से वास्तविक पात्र हितग्राहियों की पहचान सुनिश्चित होगी। इससे फर्जी, मृत, स्थानांतरित अथवा अपात्र व्यक्तियों के नाम सूची से हटाए जा सकेंगे और सरकारी खाद्यान्न का लाभ वास्तविक जरूरतमंद परिवारों तक पहुंच सकेगा। उन्होंने बताया कि हितग्राही अपने नजदीकी उचित मूल्य दुकान, लोक सेवा केंद्र अथवा विभाग द्वारा लगाए जा रहे विशेष शिविरों में जाकर आधार कार्ड और राशन कार्ड की सहायता से ई-केवाईसी करा सकते हैं।

विभाग ने सभी पात्र हितग्राहियों से अपील की है कि वे 15 जुलाई से पहले अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण कर लें, ताकि राशन वितरण में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। उल्लेखनीय है हितग्राही स्वयं भी मोबाईल में बिम मालब ऐप डाउनलोड करके ई केवाईसी कर सकते हैं। इसके लिए आधार नंबर का हितग्राही के मोबाईल के साथ सीडिंग होना आवश्यक है।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

कानून व्यवस्था का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध करें सख्त कार्रवाई: आईजी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा ने रेंज के समस्त पुलिस अधीक्षकों की समीक्षा बैठक ली, जिसमें मुख्य रूप से जिलों की कानून व्यवस्था सहित अन्य कार्रवाई की जिलेवार विस्तृत समीक्षा की गई। आईजी ने कानून व्यवस्था संबंधी विषयों पर गहन चर्चा करते हुये कहा कि जिलों में आपराधिक, संदिग्ध व्यक्तियों, गुण्डा बदमाशों, जिलाबदर जैसे लोगों पर पैनी नजर बनाये रखें। देर रात तक होटल, ढाबा, अड्डाबाजी जैसे संदिग्ध स्थानों पर नजर बनाये रखें। इसके अतिरिक्त उन्होंने समस्त पुलिस अधीक्षकों को सख्त लहजे में कहा कि, कानून का उल्लंघन करने वाले के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाये।

समीक्षा के दौरान आईजी ने लंबित अपराध के प्रकरणों का जिलेवार अवलोकन करके

संबंधित पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया कि अपने जिला इकाई के राजपत्रित अधिकारियों का जिम्मेदारी तय करते हुए स्वयं के पर्यवेक्षण में लंबित प्रकरणों का यथाशीघ्र निकाल करना सुनिश्चित करें। नवीन कानून के तहत पंजीबद्ध प्रकरणों का पर्यवेक्षण कर अन्य विभागों से समन्वय स्थापित कर गुणवत्तापूर्ण विवेचना करते हुये लंबित प्रकरणों का यथाशीघ्र निकाल करने हेतु निर्देश दिए। एनडीपीएस एक्ट के मामलों का समीक्षा करते हुये उन्होंने सभी पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया कि जिलों के राजपत्रित अधिकारियों के नेतृत्व में फाइनेंशियल एवं एंड-टू-एंड इन्वेस्टिगेशन करें। अंतरराज्जीय गैंग तथा कोरियर कंपनियों के विरूद्ध कार्रवाई के साथ साथ बाहरी राज्यों से आ रही प्रतिबंधित नशीली पदार्थों के सप्लाई चैन के विरूद्ध पिट एनडीपीएस की कार्रवाई की जाये। गौ तस्करी करने वालों के खिलाफ भी एंड-टू-एंड इन्वेस्टिगेशन की जाये। इसमें प्रयुक्त जप्त वाहनों को राजसात करने की कार्रवाई हेतु संबंधित

बीट सिस्टम प्रणाली को करें मजबूत

आईजी ने आम जनता से निरंतर जुड़े रहने के लिये बीट सिस्टम प्रणाली को और मजबूत बनाने तथा व्हाट्सअप ग्रुप में बीट प्रभारी को अधिक से अधिक क्षेत्र के ग्रामीणों को जोड़ने संबंधी कार्रवाई के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की परेशानियों व कठिनाईयों के बीच लोगों का पुलिस तक सूचनाओं का आदान-प्रदान हो इस उद्देश्य को साकार करने के लिये इसे प्रभावी बनाने की जरूरत है।

सड़क दुर्घटना में कमी लाने करें जागरूक

बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी नियंत्रण लाने हेतु रेंज आईजी ने सभी पुलिस अधीक्षकों को मीटिंग के दौरान सख्त निर्देश दिया कि नशे का सेवन कर वाहन चालकों के विरूद्ध एमव्ही एक्ट की कार्यवाही की जावे तथा दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट व चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने हेतु अनिवार्य रूप से लोगों को जागरूक किया जाये। दो पहिया वाहनों पर तीन सवारी, रोड में स्टंटवाजी करने वाले, अमानक सायलेन्सर लगाकर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध परिवहन विभाग से समन्वय स्थापित करके लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

सामुदायिक पुलिसिंग को मिली सराहना

जशपुर पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के माध्यम से लोगों में यातायात जागरूकता अभियान चला लोगों को जागरूक कर रहे है, जिसका सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा है। रेंज आईजी ने इसकी सराहना करते हुये कहा कि अन्य जिले भी अपने जिला इकाई में सामुदायिक पुलिसिंग के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी हो सके।

जिला स्तरीय बास्केटबॉल लीग चैंपियनशिप 2026 का भव्य समापन

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने विजेताओं को किया सम्मानित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय बास्केटबॉल लीग चैंपियनशिप 2026 का बुधवार को गांधी स्टेडियम बास्केटबॉल ग्राउंड में भव्य समापन हुआ। इस मौके पर छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, पूर्व खिलाड़ी एवं समाजसेवी संजय अग्रवाल तथा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भाजपा किसान मोर्चा निशांत सिंह गोल्डी उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर खिलाड़ियों के बीच रोमांचक फाइनल मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को जिला स्तरीय सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबले में सरगुजा बॉलर्स एवं सरगुजा फाइटर्स के बीच शानदार मैच खेला गया। मुकाबले में सरगुजा बॉलर्स ने 14-07 के स्कोर से जीत दर्ज करते हुए चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में सरगुजा

लायंस एवं सरगुजा ब्लैक पैंथर्स के बीच रोमांचक संघर्ष देखने को मिला। निर्धारित समय तक चले मुकाबले में सरगुजा लायंस ने जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल युवाओं के व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम है। खेल हमें अनुशासन, समर्पण, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का पाठ पढ़ाता है। उन्होंने खिलाड़ियों से निरंतर अभ्यास करते हुए राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर सरगुजा और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय बास्केटबॉल कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि लीग प्रतियोगिता का उद्देश्य खिलाड़ियों को अधिक से अधिक मैच अनुभव प्रदान करना था, जिसमें संघ को पूर्ण सफलता मिली है। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह, खेल भावना और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता देखने को मिली। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार की लीग प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन किया जाएगा ताकि खिलाड़ियों को बेहतर मंच और अवसर मिल सके। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में अभिभावकों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ, जिसके लिए सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ ने सभी अभिभावकों एवं खेल प्रेमियों का आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता में टेक्निकल ऑफिशियल के रूप में रजत सिंह, सुनैना जायसवाल, आकाश गुप्ता, बबीता तिग्गा, अनुपा तिर्की, प्रिया जायसवाल, खुशबू गुप्ता, प्रज्ञा मिश्रा, रिमझिम मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गैरेज के बाहर खड़ी कार चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन प्रतापपुर। सूरजपुर जिला के प्रतापपुर बाजार के पास रहने वाले गैराज संचालक समीउल्लाह का हुंडई इयोन कार अज्ञात लोगों ने पार कर दिया। घटना दिनांक 22 जून को रात करीब 9 बजे वह प्रतापपुर बाजार के पास स्थित अपने मोटरसायकल गैरेज को बंद करने के पहले हुंडई इयोन कार क्रमांक सीजी 09 जे 8413 का चाबी खोज रहा था। चाबी नहीं मिलने पर गैरेज को बंद करके कार को गैरेज के बाहर ही खड़ा छोड दिया और अपने घर ग्राम मानी मोटरसायकल में चले गया था। 23 जून को सुबह करीब 9 बजे दुकान आया तो दुकान के सामने खड़ी कार नहीं थी। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है, और अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

सीआरपीएफ के जवान ने लगाई फांसी, पत्नि और ससुराल पक्ष से था प्रताड़ित

छुट्टी में आया था घर, पूर्व में भी प्रताड़ना से संबंधित वीडियो किया था जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बलरामपुर जिले में सीआरपीएफ के जवान ने घर के बाहर आम के पेड़ पर फांसी लगा ली। परिजन तत्काल उसे फांसी से उतारकर होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर ले गये, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृत जवान जम्मू-कश्मीर में पदस्थ था और छुट्टी पर घर आया था। करीब छह माह पहले भी जवान, पत्नी एवं ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए जहर सेवन किया था, और प्रताड़ना से संबंधित एक वीडियो भी जारी किया था।

जानकारी के मुताबिक, राजपुर

थानांतर्गत ग्राम कुंदीकला निवासी राजाराम प्रजापति की वर्ष 2020-21 में सीआरपीएफ के जवान के पद पर पदस्थापना हुई थी। वह जम्मू कश्मीर में ड्यूटी में तैनात था। कुछ दिनों पूर्व वह छुट्टी लेकर अपने घर कुंदीकला आया था। घर आने के बाद उसका पत्नी से लगातार विवाद हो रहा था। जवान के भाई शिवकुमार प्रजापति ने बताया कि, बुधवार को भी राजाराम का पत्नी से विवाद हुआ। विवाद होने के बाद वह रस्सी लेकर दौड़ते घर से निकला और आम पेड़ पर चढ़कर फांसी पर झूल गया, उसके पीछे मां भी शोर मचाते दौड़ी थी।

शोर सुनकर शिव कुमार प्रजापति और अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राजाराम को फांसी के फंदे से उतारे, इस दौरान उसकी सांसें चल रही थी। परिजन उसे लेकर होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शिवकुमार प्रजापति का कहना है कि उसका भाई दिसंबर 2025 में भी जहर सेवन कर लिया था। उसने पत्नी एवं ससुराल पक्ष पर पैसे मांगने एवं प्रताड़ित करने का आरोप लगाकर वीडियो भी सोशल मीडिया में शेयर किया था, पुलिस से भी शिकायत की थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। राजाराम प्रजापति का करीब डेढ़ माह दो अस्पतालों में इलाज चला और ठीक होने के बाद वह ड्यूटी में लौट गया था। इसके बाद भी पत्नी एवं ससुराल वालों से विवाद जारी था। पुलिस ने स्वजन का बयान लेकर शव का पोस्टमॉर्टम कराया है।

पूछताछ से क्षुब्ध युवती ने फांसी लगाकर जान दी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। घर में देर से आने की बात को लेकर स्वजन के द्वारा पूछताछ करना युवती को नागवार लगा और वह फांसी के फंदे पर झूल गई, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम सोहगा की संगीता पिता शीलाराम एक्का 19 वर्ष, 14 जून को घर लेट से आई, जिस पर स्वजन ने आपत्ति की। इसके बाद वह हमेशा डांटने की बात कहते हुये दौड़ते घर से निकली और दुपट्टा के सहारे इमली के पेड़ में फांसी का फंदा बनाकर झूल गई। पीछे से पहुंचे स्वजन उसे फांसी से उतारे, लेकिन उसकी स्थिति बिगड़ गई थी।

मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

अवैध खाद भंडारण पर कार्रवाई, बतौली में 379 बोरी उर्वरक जब्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन एवं उप संचालक कृषि पीतांबर सिंह दीवान के मार्गदर्शन में जिले में अवैध उर्वरक भंडारण एवं कालाबाजारी के विरुद्ध

लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कृषि एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा विकासखंड बतौली के ग्राम पोकसरी एवं मंगरी में छापामार कार्रवाई कर बिना वैध दस्तावेजों के भंडारित बड़ी मात्रा में रासायनिक उर्वरक जब्त किया गया। प्राप्त सूचना के आधार पर संयुक्त टीम ने ग्राम पोकसरी निवासी रामनरेश यादव के घर स्थित गोदाम का निरीक्षण किया। जांच के दौरान गोदाम में बिना किसी वैध दस्तावेज के भंडारित 206 बोरी यूरिया, 92 बोरी एनपीके तथा 55 बोरी डीएपी खाद बरामद की गई। इसके अतिरिक्त टीम ने मंगारी स्थित मां लक्ष्मी किराना स्टोर में भी दबिश दी, यहां 21 बोरी यूरिया एवं 5 बोरी सिंगल सुपर फास्फेट (एसएसपी) बिना वैध दस्तावेज के भंडारित पाये गये। संयुक्त टीम द्वारा कुल 379 बोरी उर्वरक जब्त कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई तक संबंधित व्यक्ति की सुपुर्दगी में रखा गया है। कार्रवाई में कृषि विभाग की ओर से अनुविभागीय कृषि अधिकारी अनीता एक्का, सहायक संचालक कृषि अभिषेक झा, उर्वरक निरीक्षक पवन साय भगत, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी रविश गुप्ता एवं कृषि विकास अधिकारी गब्बर सिंह नागवंशी तथा राजस्व विभाग की ओर से राजस्व निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह एवं पटवारी अनुज सिन्हा शामिल रहे।

सांप को मारने के बाद पुत्र सोने चला गया, देर रात पिता की तबियत बिगड़ी, हो गई मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सर्पदंश के दो अलग-अलग मामले में एक किशोरी और एक अधेड़ की मौत हो गई। पुलिस ने मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम बिलासपुर निवासी शिवा केरकेट्टा पिता स्व. सुखना केरकेट्टा 51 वर्ष को जहरीले सांप ने काट लिया, अस्पताल लाते तक उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक शिवा केरकेट्टा 23 जून की रात को जमीन में बिस्तर लगाकर सोया था, उसका पुत्र राजकुमार बगल में ही स्थित नये घर में अपनी पत्नि के साथ सो रहा था। रात करीब 11 बजे वह अपने पुत्र को उठाकर बताया कि घर में सांप घुसा है, जिसे वह अपने पैर के पास देखा था, लेकिन सांप काटा है या नहीं इससे अनजान था। पुत्र पुराने घर में आया और सांप को मारकर पिता के द्वारा किसी प्रकार की तकलीफ नहीं बताने पर नये घर में सोने के लिये चला गया। सुबह 4 बजे नींद खुलने पर अपने पिता को देखने पहुंचा तो उन्होंने पेट में जलन और दर्द होने की जानकारी दी। सांप के काटने का आभास होने पर वह अपने पिता को बतौली के शांतिपारा में स्थित स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचा। यहां से प्राथमिक इलाज के बाद मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। दोनों मामले में पुलिस ने मर्ग कायम करके मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

जमीन में सोई किशोरी को डंडा करैत डसा, मौत

बलरामपुर जिला के राजपुर थाना अंतर्गत ग्राम करजी, उधेनुपारा निवासी पहाड़ी कोरवा नाथु की पुत्री रजनी इदीगुवार 14 वर्ष, खाना खाने के बाद जमीन में बिस्तर लगाकर सोयी थी। देर रात करीब 1.30 बजे उसे कुछ काटने का एहसास हुआ और वह इसकी जानकारी अपनी मां को दी। मां जब उठकर देखी तो बिस्तर में डंडा करैत सांप था। स्वजन उसे आननफानन में राजपुर स्वास्थ्य केन्द्र ले गये, यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर बुधवार को सुबह करीब 6.30 बजे मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

राजीव भवन में स्व. मदनेश्वर शरण सिंहदेव को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा महाराज एवं अविभाजित मध्यप्रदेश के योजना आयोग के उपाध्यक्ष स्व. मदनेश्वर शरण सिंहदेव की 25वीं पुण्यतिथि पर राजीव भवन में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राजीव भवन में श्रद्धांजलि उपरांत बस स्टैंड स्थित स्व. महाराज एवं राजमाता स्व. देवेंद्र कुमारी सिंहदेव की प्रतिमा पर माल्यार्पण उपरांत मां महामाया मंदिर में भंडारा आयोजित कर प्रसाद वितरण किया गया। बता दें कि, राजपरिवार के प्रमुख उत्तराधिकारी होने के बावजूद स्व. मदनेश्वर शरण सिंहदेव ने अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा के माध्यम से जनसेवा के कार्य को चुना। 1954 में आईएएस अधिकारी के रूप में चयनित होने के उपरांत कलेक्टर के पद पर कार्य करते हुए वे राज्य प्रशासन के सर्वोच्च पद मुख्य सचिव तक पहुंचे। इन पदों पर अपने कार्य के दौरान भू खातों के लिए ऋण पुस्तक, भूमिहीन परिवारों के भू-आबंटन सहित कई योजनाओं को लागू किया। मध्यप्रदेश को सोयाबीन उत्पादन में सिरमौर बनाने में उनका योगदान अविस्मरणीय है। तिलहन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्होंने मध्यप्रदेश में सोयाबीन उत्पादन को बढ़ावा देने की योजना पर काम किया। पुण्यतिथि पर इनके लोकसेवा और समाज के लिये योगदान पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान जेपी श्रीवास्तव, द्वितेंद्र मिश्रा, संजय विश्वकर्मा, मो. इस्लाम, इंद्रजीत सिंह धंजल, दुर्गेश गुप्ता, पपिन्दर सिंह, संजय सिंह, अनूप मेहता, जमील खान, लोकेश कुमार, जीवन यादव, नरेंद्र विश्वकर्मा, सोहन जायसवाल, सतीश बारी, निखिल विश्वकर्मा, रोशन कन्नौजिया, लखन मरावी मौजूद थे।

नवीन सर्व सोनार समाज ने नवनिर्वाचित पार्षदों को किया सम्मानित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नवीन सर्व सोनार समाज के द्वारा समाज के निर्वाचित पार्षदों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, साथ ही नियमित मासिक बैठक 23 जून को अलंकार ग्रीन्स होटल में हुई। समाज की परम्परा के अनुसार प्रतिमाह के अंतिम मंगलवार को यह बैठक आयोजित की जाती है, जिसमें समाज के वरिष्ठ एवं युवा वर्ग बड़ी संख्या में उपस्थित होते हैं। इस बार स्वजातीय पार्षदों को शॉल, श्री फल देकर सम्मानित किया गया।

बैठक का शुभारंभ समाज के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं समाज के आराध्य देव भगवान अजमीढ़ देव की वंदना के साथ किया गया। समाज के अध्यक्ष द्वारा सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया गया। बैठक में नगर निगम चुनाव में विजयी होकर पार्षद पद पर निर्वाचित हुये समाज के प्रतिनिधियों जितेन्द्र सोनी, सुषमा सोनी एवं विमला सोनी का शॉल, श्रीफल एवं पुष्पहार पहनाकर सम्मान किया गया। समाज के सदस्यों व पदाधिकारियों ने नव-निर्वाचित पार्षदों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज को आप तीनों से बड़ी अपेक्षाएं हैं। आप न केवल अपने वार्ड बल्कि पूरे सोनार समाज के हितों की रक्षा करें और समाज की एकता को बनाए रखें। तीनों पार्षदों ने मंच से समाज का आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त दिया कि वे समाज के विकास, शिक्षा एवं रोजगार के क्षेत्र में हर संभव सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज का सम्मान ही उनका सम्मान है। पार्षद जितेंद्र सोनी ने कहा कि समाज को एक भव्य सम्मलेन का आयोजन करना चाहिए ताकि समाज एकजुट होकर आगे बढ़ता जाये और लोक हित में कार्य करता रहे। पार्षदों ने आश्वस्त किया कि जब भी उनकी जरूरत होगी वे समाज के नेक कार्यों लिए उपस्थित रहेंगे। बैठक में समाज के युवाओं की सक्रिय भागीदारी, शिक्षा प्रोत्साहन योजना, एवं आगामी त्योहारों पर होने वाले सामाजिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर नवीन सर्व सोनार समाज के संभागीय मार्गदर्शक शिवराम सोनी, जिला अध्यक्ष विनोद सोनी, गणमान्य सदस्य रवीन्द्र स्वर्णकार, अशोक कुमार सोनी, प्रकाश सोनी, मनीष कुमार सोनी, विकास सोनी, राजेश सोनी, राहुल सोनी, पियुष सोनी, रघुनाथ प्रसाद सोनी, अमित सोनी, बृजकिशोर सोनी, नाजेंद्र सोनी, विपल सोनी, सुरजीत सोनी, संतोष सोनी, शीतल सोनी, शिव कुमारी, उर्मिला सोनी, अंजू सोनी एवं विनोद सोनी सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग, मातृशक्ति एवं युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन समाज के सचिव विजय सोनी ने किया।

180 नशीले इंजेक्शन के साथ आरोपी गिरफ्तार, कार और मोबाइल जब्त

छ.ग.फ्रंटलाइन भटगांव। सूरजपुर जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत भटगांव पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक व्यक्ति से 180 नग प्रतिबंधित नशीला इंजेक्शन जब्त किया है, इसकी अनुमानित कीमत लगभग 2 लाख रुपये है। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक, 24 जून को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति मारुति ऑल्टो कार क्रमांक सीजी 10 बीबी 7152 में नशीला इंजेक्शन लेकर आ रहा है। पुलिस ने ग्राम बुंदिया पुल के पास घेराबंदी करके वाहन को रोका, और तलाशी के दौरान कार की पिछली सीट के नीचे छिपाकर रखे गए 180 नग एविल इंजेक्शन एवं 180 नग बुप्रेनोर्फिन इंजेक्शन बरामद किया। पुलिस ने आरोपी मोहम्मद रफी (54 वर्ष) निवासी ग्राम दतिमा आमापारा को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से नशीले इंजेक्शन के साथ मारुति अल्टो कार और दो मोबाइल फोन भी जब्त करके एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 (सी) के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। कार्रवाई में थाना प्रभारी भटगांव निरीक्षक बृजेश सिन्हा, उप निरीक्षक राज किशोर खलखो, विवेकानंद सिंह, सुशील मिश्रा, हेमंत सोनवानी, संजय कुमार, आरक्षक विश्वकर्मा ठाकुर, रजनीश पटेल, रोशन साहू, विनोद प्रताप सिंह, सैनिक बदले राजवाड़े सहित टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर